website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 94 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 15 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

सैयद अता हसनैन बने बिहार के 43वें राज्यपाल, पटना में ली शपथ

पटना। सैयद अता हसनैन ने शनिवार (14 मार्च) को बिहार के 43वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की। पटना स्थित लोकभवन में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वे इस पद पर आरिफ मोहम्मद खान की जगह नियुक्त किए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। हसनैन ने हिंदी में शपथ ली। इसके बाद राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी राज्यपाल नियुक्ति का पत्र पढ़कर सुनाया। सेना में अपने लंबे और महत्वपूर्ण कार्यकाल के लिए जाने जाने वाले सैयद अता हसनैन की अंतिम तैनाती सैन्य सचिव के रूप में रही, जो वरिष्ठ स्तर के कार्मिक प्रबंधन का अहम पद माना जाता है। इससे पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना की 15 कोर की कमान संभाली थी। उन्हें श्रीनगर स्थित प्रसिद्ध चिनार कोर के कमांडिंग अधिकारी के रूप में भी जाना जाता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी हसनैन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। वर्ष 2018 में उन्हें कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त किया गया था। बाद में वर्ष 2020 में वे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य बने। हसनैन ने अपने सैन्य करियर के दौरान कश्मीर के युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और खेल से जुड़े कई सामाजिक कार्यक्रम भी चलाए। इसी वजह से उन्हें एक अनुभवी सैन्य अधिकारी के साथ-साथ एक रणनीतिक विचारक के रूप में भी देखा जाता है।

सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द, लद्दाख में संवाद की नई पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि यह कदम लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी भरोसे का माहौल बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि सभी पक्षों के साथ रचनात्मक और सकारात्मक संवाद को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार के अनुसार 24

सितंबर 2025 को लेह में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति पैदा होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश जारी किया था। इसी आदेश के तहत 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था। बताया गया कि वांगचुक इस अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय पूरा कर चुके थे। केंद्र सरकार का कहना है कि लद्दाख में विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्थानीय नेताओं और अन्य हितधारकों के साथ लगातार बातचीत की जा रही है। सरकार का मानना है कि क्षेत्र में चल रहे बंद और विरोध प्रदर्शनों से आम लोगों को परेशानी हुई है। खास तौर पर छात्रों, नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं, व्यापारियों, पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों और पर्यटकों पर इसका असर पड़ा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। सरकार ने स्पष्ट किया कि लद्दाख में शांति और विश्वास का माहौल बनाना उसकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विचार-विमर्श के बाद एनएसए के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही केंद्र ने लद्दाख की सुरक्षा और विकास के लिए हर जरूरी कदम उठाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और उम्मीद जताई है कि संवाद और सहयोग के जरिए क्षेत्र से जुड़े मुद्दों का समाधान निकाला जाएगा।

असम में पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

» बोले—जहां उनकी सोच खत्म होती है, वहीं से हमारा काम शुरू होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने असम के सिलचर में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की सोच खत्म हो जाती है, वहीं से उनकी सरकार का काम शुरू होता है। प्रधानमंत्री ने यह बात शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के भूमि पूजन के अवसर पर कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद कई दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने पूर्वोत्तर भारत को न तो विकास में प्राथमिकता दी और न ही उसे देश की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गंभीर प्रयास किए। उनके अनुसार पहले यह क्षेत्र दिल्ली से भी दूर माना जाता था और दिल से भी दूर रखा गया था, जबकि भारतीय जनता पार्टी की दोहरे इंजन वाली सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट को देश के विकास के केंद्र में लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज यह क्षेत्र भारत की पूर्व की ओर सक्रिय नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है और दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत को जोड़ने वाला सेतु बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बराक घाटी के विकास को लेकर भी कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आजादी के समय खींची गई सीमाओं के कारण बराक घाटी का समुद्र से संपर्क कट गया, जिससे इस क्षेत्र की आर्थिक ताकत कमजोर हो गई। लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रहने के बावजूद यहां विकास के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाले शिलांग-सिलचर कॉरिडोर परियोजना का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सिलचर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा के बीच संपर्क मजबूत होगा और क्षेत्र के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती गांवों के विकास पर भी जोर देते हुए कहा कि उनकी सरकार इन गांवों को देश का पहला गांव मानकर विकास योजनाएं चला रही है। उन्होंने किसानों और युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज असम के युवाओं के सामने अवसरों का नया दौर शुरू हो चुका है।

पंजाब दौरे से पहले अमित शाह का आप पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को पंजाब के दौरे पर रहेंगे, जहां वे मोगा जिले में आयोजित एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। दौरे से पहले उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि "रिमोट कंट्रोल वाली आप-दा सरकार" में कानून व्यवस्था और विकास दोनों ही खत्म हो चुके हैं। गृह मंत्री ने सामाजिक मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब का हर व्यक्ति अब बदलाव चाहता है। उन्होंने कहा कि जवानों, किसानों और मेहनतकश लोगों की पवित्र भूमि को मौजूदा सरकार ने भ्रष्टाचार, नशे और अपराध की समस्या में धकेल दिया है। शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और विकास कार्य ठप पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि वे मोगा में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की 'बदलाव रैली' में पंजाब के लोगों से संवाद करने के लिए उत्साहित हैं। पार्टी

नेताओं के मुताबिक यह रैली राज्य में बदलाव और नई राजनीतिक दिशा का संदेश देने का मंच बनेगी। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बताया कि मोगा के किल्ली चहल में आयोजित इस रैली में अमित शाह पंजाब को नशे, गुंडागर्दी और बेरोजगारी से मुक्त करने के लिए पार्टी का दृष्टिकोण साझा करेंगे। रैली को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। इसके तहत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वज मार्च निकालकर लोगों को रैली में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया है।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण पर सख्त कानून की तैयारी

अवैध धर्मांतरण से जन्मे बच्चे के धर्म पर भी नियम

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में 'धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026' पेश किया है, जिसका उद्देश्य राज्य में बढ़ते अवैध और सामूहिक धर्मांतरण के मामलों पर रोक लगाना है। यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो महाराष्ट्र धार्मिक धर्मांतरण को नियंत्रित करने वाला देश का 10वां राज्य बन जाएगा। इससे पहले , उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक और राजस्थान ऐसे कानून बना चुके हैं। इस प्रस्तावित कानून का सबसे खास पहलू अवैध धर्मांतरण से हुई शादी से जन्मे बच्चे के धर्म और अधिकारों से जुड़ा प्रावधान है। विधेयक के अनुसार यदि किसी विवाह को अवैध धर्मांतरण के आधार पर किया गया माना जाता है, तो उस शादी से जन्मे बच्चे का धर्म वही माना जाएगा जो विवाह से पहले उसकी मां का धर्म था। हालांकि बच्चे के कानूनी अधिकार प्रभावित नहीं होंगे। उसे माता-पिता दोनों की संपत्ति में उत्तराधिकार

का अधिकार मिलेगा और वह भरण-पोषण का भी हकदार होगा। जब तक अदालत कोई अलग आदेश न दे, बच्चे की अभिरक्षा (कस्टडी) मां के पास ही रहेगी। विधेयक में धर्मांतरण की प्रक्रिया भी सख्त की गई है। धर्म बदलने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को लिखित सूचना देनी होगी। इसमें उसकी उम्र, पेशा, वर्तमान धर्म और अपनाए जाने वाले धर्म की जानकारी देनी होगी। प्रशासन या पुलिस यह जांच करेगी कि धर्मांतरण स्वेच्छा से हो रहा है या किसी दबाव या धोखे के कारण। धर्मांतरण के बाद संबंधित व्यक्ति और आयोजन करने वाली संस्था को 60 दिनों के भीतर जिला प्रशासन को घोषणा पत्र देना होगा, अन्यथा धर्मांतरण अमान्य माना जा सकता है। विधेयक में प्रलोभन, धोखा, जबरदस्ती या शादी का झांसा देकर कराए गए धर्मांतरण को अवैध बताया गया है। इसमें पैसा, नौकरी, मुफ्त शिक्षा, चमत्कार का दावा, या किसी धर्म को श्रेष्ठ और दूसरे को गलत बताने जैसे तरीकों को भी प्रलोभन की श्रेणी में रखा गया है। कानून के तहत यह अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होगा। दोषी पाए जाने पर 7 साल तक की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। महिलाओं, नाबालिगों या अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति वर्ग के मामले में जुर्माना 5 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि बार-बार अपराध करने पर 10 साल तक की सजा और 7 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकला भारत का एलपीजी जहाज 'शिवालिक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारत का एलपीजी (रसोई गैस) ले जाने वाला जहाज 'शिवालिक' शुक्रवार रात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित पार कर गया। जहाजों की निगरानी करने वाली ट्रैकिंग साइट मरीनट्रैफिक के अनुसार यह जहाज 7 मार्च को कतर से अमेरिका के लिए रवाना हुआ था। यह जहाज भारत की सरकारी कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का है, जिसकी क्षमता करीब 50 हजार टन से अधिक एलपीजी ले जाने की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत में फिलहाल एलपीजी की कोई कमी नहीं है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय हालात के कारण कुछ लोग घबराहट में ज्यादा सिलेंडर बुक कर रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि घरेलू गैस की डिलीवरी औसतन ढाई दिन में हो रही है। एलपीजी की गड़बड़ी रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (DAC) सिस्टम लागू किया गया है और अस्थायी तौर पर गैस बुकिंग के बीच न्यूनतम अंतराल 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। वहीं अमेरिका-ईरान तनाव के कारण होर्मुज क्षेत्र में हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं।

उत्तराखंड बजट सत्र में सीएम धामी ने गिनाईं उपलब्धियां, 3885 में से 2408 घोषणाएं पूरी

देहरादून ।पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र इस बार कई मायनों में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। गैरसैंण में आयोजित यह सत्र सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और भविष्य की योजनाओं को सामने लाने वाला मंच बना। मुख्यमंत्री धामी के दूसरे कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने के करीब आयोजित इस सत्र में उनका अधिक आक्रामक राजनीतिक रुख भी देखने को मिला। 9 मार्च से शुरू हुआ यह बजट सत्र कुल 41 घंटे 10 मिनट तक चला, जो समय के लिहाज से अब तक का सबसे लंबा विधानसभा सत्र माना जा रहा है। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट पारित किया गया और सदन ने 12 विधेयकों को मंजूरी दी। इसके अलावा चार अध्यादेशों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्य सेवक के रूप में की गई 3885 घोषणाओं में से 2408 घोषणाएं पूरी की जा चुकी हैं, जबकि

बाकी पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार केवल घोषणाएं करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष, विशेषकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले खनन गतिविधियां बाहुबलियों के प्रभाव में चलती थीं और राज्य को कम राजस्व मिलता था। अब खनन से मिलने वाला राजस्व लगभग 400 करोड़ रुपये से बढ़कर 1200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। धामी ने कहा कि राज्य में लागू समान नागरिक संहिता से महिलाओं को तीन तलाक और हलाला जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था डेढ़ गुना से अधिक बढ़ी है और बजट का आकार 60 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख दस हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाना है।

दिल्ली शराब नीति मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी

» केजरीवाल-सिसोदिया ने भरा 50 हजार का श्योरिटी बॉन्ड

नई दिल्ली । दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामले में आरोपमुक्त किए जाने के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू अदालत में श्योरिटी बॉन्ड जमा किया। अदालत के आदेश के अनुसार दोनों नेताओं ने 50-50 हजार रुपये का श्योरिटी बॉन्ड भरा है। दरअसल, राउज एवेन्यू अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त करते हुए 50 हजार रुपये

का श्योरिटी बॉन्ड भरने का निर्देश दिया था, जिसके बाद दोनों नेताओं ने अदालत में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए यह बॉन्ड जमा किया है।

27 फरवरी को सभी आरोपी हुए दोषमुक्त

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में अहम फैसला सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कुल 23 आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया था। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान उपलब्ध सबूतों और दलीलों की जांच करने के बाद यह निर्णय दिया था। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें दिल्ली सरकार की पुरानी आबकारी नीति को लेकर अनियमितताओं और कथित गड़बड़ियों के आरोप लगाए गए थे।

श्योरिटी बॉन्ड भरने की कानूनी प्रक्रिया

अदालती आदेश के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपमुक्त किए गए सभी आरोपियों को श्योरिटी बॉन्ड दाखिल करने की औपचारिकता पूरी करनी होती है। कानूनी व्यवस्था में यह एक सामान्य प्रक्रिया मानी जाती है। श्योरिटी बॉन्ड का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि यदि मामले में किसी उच्च अदालत में आदेश के खिलाफ अपील दायर की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति आवश्यक होने पर अदालत में उपस्थित हो सके। इसी प्रक्रिया के तहत केजरीवाल और सिसोदिया ने भी अदालत के निर्देशों का पालन करते हुए श्योरिटी बॉन्ड जमा कराया। अदालत का यह फैसला आबकारी नीति से जुड़े मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि इसमें शामिल सभी 23 आरोपियों को आरोपों से राहत मिल गई है।

अब दुनिया के सभी देश रूस से खरीद सकेंगे तेल

● अमेरिका ने ईरान युद्ध के कारण दी है 30 दिन की मोहलत ● ईरान ने क्रूड ऑयल 200 डॉलर पहुंचने की चेतावनी दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं। इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की बात कही थी।

- **सिर्फ समुद्र में फंसे जहाजों से तेल खरीदने की मंजूरी-** मेरिकी ट्रेजरी विभाग (वित्त मंत्रालय) ने गुरुवार को एक लाइसेंस जारी किया। इसके तहत उन रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और बिक्री की जा सकती है, जो 12 मार्च की रात 12:01 बजे से पहले जहाजों पर लोड हो चुके थे।

यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके। अमेरिका के ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रम्प वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शॉर्ट-टर्म फैसला है और इससे रूस को कोई बहुत बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा। बेसेंट के मुताबिक रूस की कमाई का बड़ा हिस्सा तेल निकालने के वक्त लगने वाले टैक्स से आता है, जबकि यह छूट सिर्फ उस तेल के लिए है, जो पहले से ही ट्रांजिट (रास्ते) में है। होर्मुज रूट से सप्लाई ठप: ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सप्लाई ठप हो गई है। यहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल गुजरता है। भारत जैसे देश अपनी जरूरत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से मंगाते हैं।

- **200 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल-** पिछले कुछ दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थीं। ईरान ने चेतावनी दी है कि कीमतें 200 डॉलर तक पहुंच सकती है। ऐसे में रूसी तेल बाजार में आने से सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आएगी। जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगानी शुरू की थी। मिडिल ईस्ट में एनर्जी सप्लाई और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हाल ही में हुए हमलों के बाद फिर से ज्यादा की तेजी आई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी। निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी।

क्या प्राचीन काल में भी मुमकिन था 'टाइम ट्रेवल'? विज्ञान से पहले धर्मग्रंथों और लोककथाओं ने सुलझाई थी समय की गुत्थी

- हनुमान की तरह चीन में पूजे जाते हैं 'वानर राजा'; जापान से लेकर भारत और आयरलैंड तक, दुनिया भर के आख्यानों में मिलते हैं 'समय-यात्रा' के चौंकाने वाले सबूत

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्कआधुनिक भौतिकी में अल्बर्ट आइंस्टीन के 'सापेक्षता के सिद्धांत' (Theory of Relativity) ने दुनिया को बताया कि समय स्थिर नहीं है और अलग-अलग लोकों या गति में इसकी चाल बदल सकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आधुनिक विज्ञान के जन्म से हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों को 'टाइम ट्रेवल' (समय-यात्रा) का गहरा ज्ञान था? दुनिया भर की प्राचीन लोककथाएं और धार्मिक ग्रंथ इस बात के गवाह हैं कि मनुष्य ने सदियों पहले ही समय के साथ 'लुका-छिपी' के खेल को समझ लिया था।भारत: ब्रह्मलोक की यात्रा और सदियों का फासलाभारतीय पुराणों में समय की गति के अंतर को बहुत बारीकी से समझाया गया है। राजा रैवत की कथा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब वे अपनी पुत्री के विवाह के योग्य वर की सलाह लेने उसे 'ब्रह्मलोक' ले गए, तो वहां बिताए कुछ क्षण धरती पर अनेक सदियों के बराबर निकले। जब वे वापस लौटे, तो सब कुछ बदल चुका था; न कोई उन्हें पहचानने वाला बचा था और न ही इंसानों का कद पहले जैसा रहा था। इसी तरह इंद्रद्युम्न की कथा में भी ब्रह्मलोक से लौटने पर धरती पर लाखों वर्ष बीत जाने का वर्णन मिलता है।हिमाचली लोककथाओं में तो एक चरवाहे और भगवान शिव के बीच हुए पासों के खेल का जिक्र है, जहाँ दोपहर भर का खेल खत्म कर जब चरवाहा घर लौटा, तो उसकी पत्नी बूढ़ी हो चुकी थी और वह खुद परदादा बन चुका था।चीन और जापान: वानर राजा और ड्रैगन पैलेस का रहस्यचीनी आख्यानों में वानर राजा (Sun Wukong) की कथा अत्यंत लोकप्रिय है, जिन्हें उनकी शक्तियों के कारण हनुमान जी का ही प्रतिरूप माना जाता है। वानर राजा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच यात्रा करने में सक्षम थे। उन्होंने चिन राजवंश से लेकर मिंग सम्राटों के काल तक की यात्राएं कीं।वहीं जापान में उराशिमा तारो नामक मछुआरे की कहानी समय के मायाजाल को चुनौती देती है। वह एक कछुए के साथ समुद्र के भीतर 'ड्रैगन राज्य' गया, जहाँ उसने केवल कुछ घंटे बिताए, लेकिन धरती पर वापस आने पर उसे पता चला कि कई सदियां गुजर चुकी हैं। राजकुमारी द्वारा दी गई एक रहस्यमयी डिबिया खोलते ही वह क्षण भर में वृद्ध होकर काल का ग्रास बन गया।वैश्विक आख्यानों में 'टाइम ट्रेवल' के प्रमाणसंस्कृति/धर्मप्रमुख कथासमय का अंतर (Time Dilation)आयरलैंडवीर युवक ओशीन की कथाअश्व से उतरते ही सदियों का असर दिखा और वह वृद्ध हो गया।ईसाई परंपरासात शयनकर्ता (Seven Sleepers)गुफा में 300 साल सोने के बाद जागे, तो दुनिया बदल चुकी थी।इस्लामी आख्यानउजैर (Uzair) का पुनरुत्थानअल्लाह ने उन्हें 100 वर्ष की मृत्यु के बाद जीवित किया, उनका बेटा उनसे उम्र में बड़ा हो चुका था।इस्लामी और ईसाई परंपरा: मृत्यु और गहरी नींद के पारइस्लामी आख्यानों में उजैर नामक व्यक्ति का वर्णन है, जिन्हें अल्लाह ने 100 वर्ष बाद पुनर्जीवित कर यह दिखाया कि समय और जीवन-मृत्यु उसके नियंत्रण में हैं। जब वे अपने गांव लौटे, तो उनके अपने बेटे की आयु उनसे अधिक हो चुकी थी और केवल एक तिल के निशान से उनकी पहचान हो सकी। वहीं ईसाई परंपरा में 'सात शयनकर्ताओं' की कहानी प्रसिद्ध है, जो रोमन दमन से बचने के लिए एक गुफा में सोए और 300 साल बाद जागे तो पाया कि पूरी दुनिया अब ईसाई धर्म अपना चुकी है।निष्कर्ष: क्या हमें सावधान रहने का संकेत था?इन सभी कहानियों में एक समानता है—देवताओं या अलौकिक लोकों का समय इंसानी समय से कहीं अधिक तेज या धीमा होता है। आज का विज्ञान जिसे 'टाइम डाइलेशन' कहता है, उसे प्राचीन कथाकारों ने 'देवलोक' और 'मृत्युलोक' के अंतर से समझाया था।सवाल यह उठता है कि क्या ये कथाएं हमें केवल मनोरंजन के लिए सुनाई गई थीं, या फिर ये इस बात का संकेत थीं कि अलौकिक शक्तियों या अज्ञात लोकों से संपर्क करने की एक भारी कीमत 'समय' के रूप में चुकानी पड़ सकती है? क्या उन गैर-मानवीय लोकों से दूरी बनाए रखना ही इंसानी बुद्धिमानी है?

दिवस विशेष

अरविंद जयतिलक

अनिद्रा से बिगड़ता स्वास्थ्य

आज विश्व निद्रा दिवस है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नींद के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मानव स्वास्थ्य व सेहत के लिए पर्याप्त निद्रा बेहद आवश्यक है। याद होगा कि गत वर्ष पहले फिलिप्स वार्षिक वैश्विक सर्वेक्षण की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि दुनिया भर में तकरीबन 10 करोड़ लोग अनिद्रा की बीमारी से ग्रसित हैं। दुनिया के 13 देशों (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस, भारत, चीन आस्टलिया, कोलंबिया, अर्जेंटीना, मैक्सिको, ब्राजील और जापान) के 15 हजार से अधिक व्यस्कों पर किए गए इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि 80 प्रतिशत से अधिक लोग अनिद्रा बीमारी से अनभिज्ञ हैं जबकि 30 प्रतिशत लोग नींद लेने और उसे बनाए रखने में दिक्कत महसूस करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी उद्घाटित हुआ था कि देश की राजधनी दिल्ली में 67 प्रतिशत, कोलकाता में 60 प्रतिशत, बेंगलुरु में 59 प्रतिशत तथा चेन्नई 58 प्रतिशत लोग अनिद्रा के शिकार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में तकरीबन 19 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि सामान्य नींद के समय के साथ काम के घंटों का अतिव्यापित होना अनिद्रा का एक प्रमुख कारण है। इसी तरह 32 प्रतिशत वयस्कों ने स्वीकार किया कि प्रौद्योगिकी भी एक प्रमुख नींद विकर्षण है। अमेरिका की राष्ट्रीय निद्रा फाउंडेशन के मुताबिक 30-40 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों का कहना है कि उनमें अनिद्रा के लक्षण हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अनिद्रा के कारण कई तरह की बीमारियां पनपती हैं और जीवन प्रत्याशा कम होने की भी संभावना बढ़ जाती है। 16 अध्ययनों के एक विश्लेषण में 10 लाख से अधिक प्रतिभागियों और 112,566 मौतों के अंतर्गत नींद की अवधि और मृत्युदर के बीच के संबंधों की जांच में पाया गया कि जो लोग रात में सात से आठ घंटे सोते थे, उनकी तुलना में कम सोने वाले व्यक्तियों में मृत्यु का खतरा 12 प्रतिशत ज्यादा होता है। हाल ही में एक अन्य अध्ययन में 38 सालों से सतत निद्रा और मृत्यु दर के प्रभावों की जांच में पाया गया है कि सतत अनिद्रा से ग्रसित लोगों की मौत का जोखिम 97 प्रतिशत अधिक होता है। अनिद्रा का दुष्परिणाम यह होता है कि व्यक्ति में हीनता बढ़ती है और उसकी याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है। उसमें चिड़चिड़ापन इस हद तक बढ़ जाता है कि वह सामाजिक रूप से मिलना-जुलना बंद कर देता है। साथ ही थके होने और पर्याप्त नींद न लेने के कारण वाहन दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। भारत की बात करें तो यहां 66 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया है कि अनिद्रा के कारण उनका स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती प्रभावित होने के साथ-साथ मानसिक अवसाद बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही खुलासा कर चुका है कि भारत में मानसिक अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिनके कई कारणों में से एक कारण अनिद्रा भी है। गत वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी शीर्षक 'डिप्रेशन एवं अन्य सामान्य मानसिक विकार-वैश्विक स्वास्थ्य आकलन' रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत और चीन अवसाद से बुरी तरह प्रभावित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में मानसिक अवसाद से ग्रस्त लोगों की संख्या सर्वाधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में अवसाद से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 32.2 करोड़ है, जिसमें 50 प्रतिशत सिर्फ भारत और चीन में ही हैं। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि अवसाद के अलावा भारत और चीन में चिंता भी बड़ी समस्या है। भारत एवं अन्य मध्य आय वाले देशों में आत्महत्या के सबसे बड़े कारणों में से एक चिंता भी है। देश में बढ़ते अवसाद को ध्यान में रखकर ही केंद्र सरकार द्वारा संसद में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख विधेयक पर मुहर लगाई जा चुकी है। इसमें मानसिक अवसाद से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखरेख एवं सेवाएं प्रदान करने एवं ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण करने का प्रावधान है। चूंकि भारत अशक्त लोगों के अधिकारों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र संधि का हस्ताक्षरकर्ता है लिहाजा उसकी जिम्मेदारी भी थी कि वह इस प्रकार के प्रभावी कानून गढ़ने की दिशा में आगे बढ़े। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ा सामुदायिक स्तर पर अधिकतम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की रचनात्मक और स्वागत योग्य पहल तेज कर दी है। अच्छी बात यह है कि दुनिया भर में 77 प्रतिशत लोगों ने अवसाद और बिगड़ते स्वास्थ्य से उबरने के लिए अपनी नींद में सुधार की कोशिश की है। भारत में 45 प्रतिशत वयस्कों ने ध्यान और योग करने की कोशिश की है, जबकि 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छी नींद लेने और उसे बनाए रखने के लिए विशेष बिस्तर को अपनाया है। उचित होगा कि सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं कुछ इस तरह के कार्यक्रम गढ़ें, जिससे कि लोगों में अच्छी नींद के प्रति जागरूकता बढ़े और वे संतुलित दिनचर्या के प्रति आकर्षित हों।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जहां भी खोजोगे वहां तुम प्रीतितत्व को ही पाओगे

संकलित

दर्शन

कोई आदमी धन कमाने में लगा है, धन तो ऊपर की बात है, भीतर तो प्रीति से ही जी रहा है, धन से उसकी प्रीति है। कोई आदमी पद के पीछे पागल है, पद तो गौण है, प्रतिष्ठा की प्रीति है। जहां भी खोजोगे, तो तुम प्रीति को ही पाओगे। पापी में और पुण्यात्मा में, तुम एक ही तत्त्व को एक साथ पाओगे, वह तत्त्व प्रीति है। फिर प्रीति किससे लग गई, उससे भेद पड़ता है। धन से लग गई तो तुम धन ही होकर रह जाते हो। ठीकरे हो जाते हो। कागज के सड़े-गले नोट होकर मरते हो। जिससे प्रीति लगी, वही हो जाओगे। यह बड़ा बुनियादी सत्य है, इसे हृदय में संभाल कर रखना। प्रीति महंगा सौदा है, हर किसी से मत लगा लेना। जिससे लगाई वैसे ही हो जाओगे। वैसा होना हो तो ही लगाना। प्रीति का अर्थ ही यही होता है कि मैं यह होना चाहता हूं। राजनेता गांव में आया और तुम भीड़ करके पहुंच गए, फूलमालाएं सजा कर, किस बात की खबर है? कोई संगीत सुनता है तो धीरे-धीरे उसकी चेतना में संगीत की छाया पडने लगती है। तुम जिससे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे, जिनसे प्रीति करोगे वैसे हो जाओगे। तो प्रीति का तत्त्व रूपांतरकारी है। प्रीति का तत्त्व भीतरी रसायन है। और बिना प्रीति के कोई भी नहीं रह सकता। प्रीति ऐसी अनिवार्य है जैसे श्वास। जैसे शरीर श्वास से जीता, आत्मा प्रीति से जीती। इसलिए अगर तुम्हारे जीवन में कोई प्रीति न हो, तो तुम आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे। या कभी तुम्हारी प्रीति का सेतु टूट जाए, तो आत्महत्या करने को उतारू हो जाओगे।

गुरु की संगति से ही पाया जा सकता है परमात्मा

संकलित

प्रेरणा

जिसने परमात्मा को प्राप्त कर लिया, तो समझो उसने सब कुछ प्राप्त कर लिया। इसके लिए प्राप्ति के लिए अब शेष कुछ नहीं रह जाता। अब जिन्होंने परमात्मा को नहीं पाया उन्होंने कुछ भी नहीं पाया, लेकिन यह बात ध्यान में रहे कि परमात्मा पाया जाता है गुरु प्रताप साध की संगति से और कोई उपाय नहीं। अद्वैत भाव एक परम गुण है। अद्वैत भाव कुछ ऐसी कला है, जिसमें थकान नहीं है मानो हम जहां भी देखें, चाहे जर्रा हो, चाहे पत्ते हों,चाहे चंदन के पेड़ हों, चाहे पत्थर हों,चाहे गंगा का जल हो, सूरज का तेज हो, चांद की शीतलता हो,कलियों की कोमलता हो, फूलों का सौंदर्य हो, जहां भी नजर डालो सद्गुरु की कृपा से अपनी आंखों से इन सभी से जल्दी से पर्दा हटा कर इसको देख लें। फिर धीरे-धीरे हमारी आंखें ही पर्दा उठाने की कला सीख जाएंगी और फिर ऐसा समय भी आएगा जब हमें पर्दा उठाना ही नहीं पड़ेगा, केवल नजर पड़ी और हम पर्दे के पार देखने लगे, क्योंकि अब हमें ज्ञान हो गया है कि सब जगह बस ईश्वर, परमात्मा की ही छवि विराजमान है। अपेक्षा जहां है वहीं दुःख की भी संभवना है और जहां अपेक्षा नहीं है, वहां विषाद का कोई खतरा नहीं है। अतः जिनसे मनुष्य को अपेक्षा है कि उसे प्रीति मिलेगी पत्थर नहीं,उनसे यदि फूल भी फेंका गया, तो घाव का एहसास होगा ही। घाव फूल के कारण नहीं लगता फूल बेचारा कैसे घाव लगा सकता है? घाव लगता मनुष्य की अपेक्षा से और जितनी बड़ी अपेक्षा होगी,घाव भी उतना ही गहरा मिलेगा।

इनफिनिटी मिरर्ड रूम

कोलोन, जर्मनी के म्यूजियम लुडविग में गुरुवार को मशहूर जापानी आर्टिस्ट यायोई कुसामा की नई बड़ी एग्जिबिशन के प्रीव्यू के दौरान लोग आर्टवर्क इनफिनिटी मिरर्ड रूम में घूमते हुए लोग।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों के आंकड़े एकत्रित करने और उनके निःशुल्क पंजीकरण के लिए प्रयास हुए हैं।

-विनय कुमार साहू, रायपुर

ट्रेंड

सबको बोलने का अवसर

प्रतिपक्ष के सदस्यों को आवंटित समय से अधिक बोलने का अवसर मिला है। मेरी हमेशा कोशिश रहती है कि चाहे देर रात्रि तक बैठना पड़े, लेकिन हर सदस्य को बोलने का अवसर मिले। कोई भी सदस्य जो बोलना चाहते हों, और मैंने अवसर नहीं दिया, ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है।

- ओम बिरला, लोस अध्यक्ष

अविश्वास प्रस्ताव नहीं

हम भी विपक्ष में रहे है, तीन बार लोकसभा के स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव आया, मगर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए विपक्ष में रहते हुए कभी लोकसभा स्पीकर पर अविश्वास का प्रस्ताव नहीं लाए।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय पर्यटन मंत्री

विकास बजट जारी

विकसित दिल्ली का संकल्प तभी साकार होगा, जब दिल्ली की हर विधानसभा में विकास की समान गति दिखाई दे। इसी लक्ष्य के साथ हर विधानसभा के लिए विशेष विकास बजट जारी किया जा रहा है, ताकि सड़क, पानी, स्वच्छता, आदि नागरिक सुविधाओं के कार्य तेजी से पूरे हो सके।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

घरेलू गैस की किल्लत

जब देश भारी संकट से जूझ रहा होता है तो प्रधानमंत्री मोदी चुनावी दौरों में मशगूल होते हैं। देशभर में घरेलू गैस की भारी कमी है। अनेक छोटे-बड़े उद्योग भाजपा की विफलता का खामियाजा भुगतने पर मजबूर हैं। पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

पाक किसका, जो कर्ज दे उसका सऊदी अरब पहुंचे शहबाज

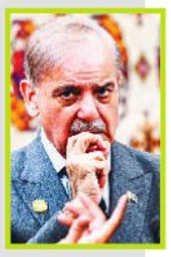

पाकिस्तान के रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है। पाक नहीं चाहता कि वह शिया मुल्क ईरान के साथ बहुत ज्यादा दिखे, जबकि सुन्नी देश सऊदी अरब के साथ रहना आंतरिक राजनीति में भी फायदा देगा। पाकिस्तान अकसर इस्लामिक एकता की बातें करता है। अब जबकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले किए हैं तो इस संघर्ष में सऊदी अरब भी अमेरिकी पाले में है। ऐसे हालात में पाकिस्तान ने इस्लामिक एकता की कोई दुहाई नहीं दी है और सीधे तौर पर सऊदी अरब के साथ दिख रहा है। यहां उसने ना तो सऊदी अरब को इस्लामिक एकता की सीख दी और ना ही ईरान से समझौते की अपील की। उसने सीधे तौर पर सऊदी अरब का साथ दिया है और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ खुद ही इस्लामिक मुल्क पहुंच गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा चिंता पर बात की थी। उसके इस रुख को लेकर माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने सिर्फ अपने कर्ज के हित को देखते हुए सऊदी अरब का साथ दिया है। इसके अलावा शिया और सुन्नी वाला विवाद भी अहम है।

ऑफ बीट

ऋषिकेश स्थित श्रीलक्ष्मण मंदिर का अद्भुत माहात्म्य

हिमालय की पावन गोद में अवस्थित ऋषिकेश का तपोवन क्षेत्र केवल एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है। उत्तराखंड में गंगा के पावन पश्चिमी तट पर स्थित लक्ष्मण झूला और समीपस्थ श्रीलक्ष्मण मंदिर का माहात्म्य पुराणों में अत्यंत श्रद्धा और गौरव के साथ वर्णित है। 'ते वै रघुवरश्रेष्ठा भाग्यवन्तो भवन्ति हि' अर्थात जो भक्त तपोवन में आकर लक्ष्मण जी को प्रणाम करते हैं, वे वास्तव में भाग्यवान होते हैं, यह उद्घोष इस क्षेत्र की आध्यात्मिक गरिमा को स्पष्ट करता है। स्कंद पुराण के अनुसार, भगवान स्कंद ने नारद जी से कहा कि यद्यपि अनेक तीर्थ ऐसे हैं, जिनके स्मरण मात्र से पापों का क्षय हो जाता है तथापि ऋषिकेश स्थित तपोवन एक ऐसा दिव्य क्षेत्र है जो मानो मुक्ति का खुला द्वार है। यहां विधिपूर्वक श्राद्ध करने से पितृगण सदा तृप्त रहते हैं। सौमित्रि तीर्थ, जिसे लक्ष्मण तीर्थ भी कहा जाता है, में स्नान करने से वाजपेय यज्ञ के तुल्य फल की प्राप्ति होती है। आगे शिव तीर्थों में स्नान करने वाला भक्त शिवलोक और ब्रह्मलोक को प्राप्त होता है। इस प्रकार तपोवन केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि लोक और परलोक के कल्याण का सेतु है। यह तीर्थ हमें सिखाता है कि भक्ति, तप और विनम्रता से ही मनुष्य अपने दोषों से मुक्त होकर परम शांति को प्राप्त कर सकता है।

रॉयल पत्रिका

गर्मी के मौसम में आमजन को पेयजल की नहीं होगी परेशानी- भजनलाल शर्मा

-19 मार्च से विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान की होगी शुरुआत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गर्मी में आमजन को पेयजल के लिए कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए विभागीय अधिकारी एवं जिला कलक्टर्स तैयार कंटीन्जेंसी प्लान के अनुसार हर गांव और हर कस्बे में प्रभावी मॉनिटरिंग कर पेयजल प्रबंधन सुनिश्चित करें। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ग्रीष्मकालीन पूर्व तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने के साथ ही पुराने हैण्डपम्प व नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित सभी कार्य समय से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। इन कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए।

181 पर प्राप्त पेयजल संबंधी समस्याओं का 24 घण्टे में हो निस्तारण —

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएचईडी और बिजली विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि हेल्पलाईन नंबर 181 पर प्राप्त होने वाली पेयजल संबंधी समस्याओं का 24 घण्टे में समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, 48, 72 एवं 96 घण्टों में पेयजल आपूर्ति वाले स्थानों पर अंतराल में कमी लाए जाने के भी प्रयास किए जाएं। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सभी 41 जिलों के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लिए कंटिन्जेंसी प्लान तैयार किया जा चुका है। इस दौरान जिला कलक्टर बीकानेर ने नहरी क्षेत्र, जिला कलक्टर जोधपुर ने मरुस्थलीय जिलों, जिला कलक्टर डूंगरपुर ने ट्यूबवैल आधारित पेयजल आपूर्ति एवं जिला कलक्टर उदयपुर ने आदिवासी व पहाड़ी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को लेकर कार्ययोजना से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

राजस्थान दिवस पर शुरू होगा अभियान, गांवों तक पहुंचेगा विकास का रोड़मैप —

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणा की अनुपालना में ग्राम पंचायत स्तर एवं शहरी नगर निकाय क्षेत्रों में विकास का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए 19 मार्च से विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान की शुरुआत करने जा रही है। उन्होंने कहा कि विकसित गांव ही विकसित राजस्थान-विकसित भारत का आधार है और इस दिशा में यह अभियान ऐसा मॉडल बनेगा, जिसके माध्यम से स्थानीय आकांक्षाओं पर आधारित विकास का रोड़मैप गांवों तक पहुंचेगा।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थानीय उद्योगों को करें चिन्हित—

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि गांवों, शहरों के वार्डों में नियोजित तरीके से विकास किया जाए तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, सड़क आदि विकास के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए। साथ ही, इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छोटे एवं लघु स्थानीय उद्योगों को भी चिन्हित करते हुए उनके उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग से जुड़े व्यवसायों की संभावनाएं तलाशी जाए।

स्थानीय विशेषताओं के आधार पर लगाएं फलदार वृक्ष —

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत दो वर्षों में राज्य में हमने लगभग 19 करोड़ पौधे लगाए हैं तथा इस वर्ष भी 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि नर्सरियों में पौधे तैयार करते हुए उनका समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों में पौधारोपण किया जाए तथा स्वच्छता के साथ-साथ इनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए स्थानों का चिन्हीकरण कर लिया जाए एवं स्थानीय विशेषताओं के आधार पर फलदार वृक्ष भी लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि फलदार वृक्ष उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही पानी की बचत में भी सहायक सिद्ध होते हैं। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य विभागीय उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा सहित विभिन्न संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

राजस्व मंडल : लोक अदालत में 44 प्रकरण निस्तारित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्व मण्डल में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्य राजेश कुमार दड़िया एवं सदस्य एम.एल. नेहरा की बैंच में 48 चिन्हित प्रकरणों में से 44 प्रकरण लोक अदालत की भावना से निस्तारित किये गये । शनिवार को लोक अदालत में 31 वर्ष पुराने 2 प्रकरण समझाईश के आधार पर निस्तारित किये गये। इन प्रकरणों में विनोद बनाम रामेश्वर 1995 से दीगोद कोटा के प्रकरण में राजीनामे के आधार पर निर्णीत तथा हनुमान प्रसाद बनाम गौरीशंकर 1990 से झुन्झुनूं के प्रकरण मे समझाईश के आधार पर फैसल किया जाना प्रमुख रहा। इन पक्षकारों को सदस्यगण, अतिरिक्त निबन्धक, व बार अध्यक्ष द्वारा माला पहनाकर पक्षकारों को शुभकामनाएं दी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में NSUI का LPG गैस सिलेंडर को लेकर बड़ा धरना, सरकार पर उठाए सवाल

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित राजस्थान यूनिवर्सिटी में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों और सप्लाई को लेकर छात्र संगठन NSUI ने बड़ा धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर हाथ में लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आम जनता को राहत देने की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अभिषेक मीणा ने रॉयल पत्रिका के संवाददाता से बातचीत करते हुए सरकार पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और एलपीजी गैस सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। उनका कहना था कि सरकार को महंगाई पर नियंत्रण करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को राहत मिल सके। अभिषेक मीणा ने कहा कि आज के समय में रसोई गैस हर घर की जरूरत बन चुकी है, लेकिन कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और कई जगहों पर गैस की किल्लत के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की समस्याओं को

नजरअंदाज कर रही है। यदि जल्द ही इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया तो एनएसयूआई प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन करेगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने कहा कि महंगाई का असर केवल आम परिवारों पर ही नहीं, बल्कि छात्रों और हॉस्टलों में रहने वाले युवाओं पर भी पड़ रहा है। कई छात्र किराए के कमरों में रहते हैं और खाना बनाने के लिए गैस सिलेंडर पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में सिलेंडर की कीमत बढ़ने से उनका मासिक खर्च भी काफी बढ़ जाता है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने प्रतीकात्मक रूप से गैस सिलेंडर और चूल्हे के साथ विरोध जताया और सरकार से मांग की कि एलपीजी गैस की कीमतों में कटौती की जाए। साथ ही गैस सिलेंडर की सप्लाई को सुचारू बनाया जाए ताकि आम लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। धरना कुछ समय तक विश्वविद्यालय परिसर में चलता रहा, जहां छात्र नेताओं ने अपने विचार रखे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हुआ। एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि यदि सरकार ने जल्द ही इस मुद्दे पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो संगठन आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा। छात्र संगठन का मानना है कि महंगाई और गैस सिलेंडर की कीमतों का मुद्दा सीधे तौर पर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा हुआ है, इसलिए सरकार को इस दिशा में जल्द कदम उठाने चाहिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में महिला अधिकारिता निदेशालय की समीक्षा बैठक आयोजित

-लाडो प्रोत्साहन योजना सहित महिला सशक्तीकरण की सभी योजनाओं का बालिकाओं और महिलाओं को समयबद्धता के साथ दिया जाए लाभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित महिला अधिकारों के संरक्षण एवं महिला सशक्तीकरण की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं योजनान्तर्गत आवंटित बजट एवं बजट में अब तक प्रगति की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित उड़ान योजना के तहत बालिकाओं और महिलाओं को दिए जाने वाले नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन आपूर्ति समयबद्धता से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत योजना के दिशा

निर्देशों एवं पोर्टल का अध्ययन कर उसे आमजन हेतु सुगम एवं प्रभावी बनाने निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के तहत भारत सरकार से बकाया बजट प्राप्त कर, बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने पिछले वर्ष की बजट घोषणाओं को समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं को भी समय पर पूर्ण करने हेतु आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत बालिकाओं को लाभान्वित करने हेतु योजना का प्रभावी पर्यवेक्षण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु निर्देश दिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना में जयपुर जिला प्रदेश में प्रथम

- जयपुर जिले में हो रहा सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में फ्लेगशिप योजनाओं एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल श्रेणी में जयपुर जिले ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत प्राइमरी कलेक्शन ऑफ सॉलिड वेस्ट तथा रिमूवल ऑफ जीवीपी में शत-प्रतिशत उपलब्धि के साथ जिले ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना में भी जयपुर जिले ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि बीस सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग तथा ऊर्जा विभाग ने राज्य स्तर से आवंटित लक्ष्यों को पूर्ण रूप से हासिल कर लिया है। जबकि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में जिले की द्वितीय रैंक दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त सीटी, पीटी एवं पिंक टॉयलेट श्रेणियों में भी जिला राज्य के शीर्ष तीन में शामिल रहा है। वहीं बैंक सखी, कृषि सखी एवं पशु सखी कार्यक्रमों में भी जिले ने निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत प्राप्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना एवं संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत 33 केवी एवं 11 केवी फीडर के बिफरकेशन कार्य में जयपुर जिले ने राज्य के शीर्ष 5 जिलों में स्थान प्राप्त किया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के विभिन्न घटकों में भी आवंटित लक्ष्य के विरुद्ध जिले में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इस उपलब्धि पर जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने अधिकारियों की सराहना करते हुए शेष लक्ष्यों को भी शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं में अपेक्षित प्रगति नहीं है, उनमें कार्ययोजना बनाकर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पंच गौरव योजना के अंतर्गत जयपुर जिले में 'एक जिला एक खेल' के तहत कबड्डी को बढ़ावा देने तथा 'एक जिला एक उपज' के अंतर्गत किसानों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि कलेक्ट्रेट सभागार में फ्लेगशिप योजनाओं एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के उपयोग पर राजस्थान स्टेट गैस को राष्ट्रीय 'डायमण्ड अवार्ड'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड (आरएसजीएल) को स्मार्ट गैस वितरण के क्षेत्र में आईओटी आधारित तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'डायमण्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंडिया स्मार्ट ग्रीड फोरम द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। आरएसजीएल की ओर से यह पुरस्कार उपमहाप्रबंधक विवेक श्रीवास्तव और सी.पी. चौधरी ने प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कंपनी को यह पुरस्कार सीएनजी मदर स्टेशन पर आईओटी आधारित स्मार्ट तकनीक के प्रभावी उपयोग और नवाचार के लिए दिया गया है। आरएसजीएल द्वारा उन्नत आईओटी तकनीक के माध्यम से सीएनजी स्टेशनों का संचालन रियल टाइम निगरानी प्रणाली के आधार पर किया जा रहा है। इससे डेटा एकीकरण, स्वचालित प्रबंधन, डिस्पेंसर और कंप्रेसर संचालन,

परिचालन डेटा की मॉनिटरिंग, ट्रैकिंग और शेड्यूलिंग जैसी गतिविधियां एकीकृत आईओटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित हो रही हैं। उप महाप्रबंधक विवेक श्रीवास्तव और सी.पी. चौधरी ने बताया कि सीएनजी मदर स्टेशन के इस ऑटोमेशन से कार्य में पारदर्शिता और रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। इसके साथ ही मूल्य संशोधन प्रक्रिया भी अधिक सटीक और केंद्रीकृत तरीके से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल सीएनजी स्टेशनों के ऑटोमेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

धूलेश्वर महाविद्यालय, मनोहरपुर में क्रिकेट पिच का निर्माण

– युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने और विद्यालय में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा द्वारा धूलेश्वर महाविद्यालय, मनोहरपुर के क्रिकेट ग्राउंड में मरम्मत करके क्रिकेट पिच का निर्माण करवाया गया। यह मैदान काफी समय से जर्जर अवस्था में था, जिसके कारण विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विद्यार्थियों की इस समस्या को देखते हुए दिगराज सिंह शाहपुरा ने व्यक्तिगत पहल करते हुए मैदान

का निरीक्षण किया और बच्चों के बेहतर खेल वातावरण के लिए क्रिकेट पिच तैयार करवाने का कार्य पूर्ण करवाया। इस अवसर पर दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, केवल उन्हें उचित सुविधाएँ और मंच प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी मनोहरपुर क्षेत्र में शिक्षा और खेल के क्षेत्र में हर संभव सहयोग किया जाएगा ताकि युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। स्थानीय विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने इस पहल के लिए कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे बच्चों को क्रिकेट खेलने के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग संस्थान एसएमएस में तैयार

-लाखों का कॉस्मेटिक उपचार मिल सकेगा न्यूनतम दरों पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशवासियों को जल्द ही राजकीय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की चर्म रोग चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर के चरक भवन में देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंस्टीट्यूट ऑफ डर्मेटोलॉजी बनकर तैयार है। जल्द ही इसे शुरू किया जाएगा। निजी अस्पतालों में लाखों रूपए में होने वाला उपचार यहां आमजन को न्यूनतम दरों पर मिल सकेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित इस इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। उन्होंने इस इंस्टीट्यूट का जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि लंदन के बाद विश्व का यह दूसरा सबसे एडवांस एवं उत्कृष्ट संस्थान है, जो डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। इस संस्थान में 6 प्रकार की अत्याधुनिक लेजर मशीनें जैसे डायोड लेजर और फ्रेक्शनल कॉर्बन डाई ऑक्साइड लेजर, एक्साइमर लेजर, एनडी-याग लेजर व अलेकजन ड्राइड लेजर स्थापित किये हैं, जो समस्त प्रकार की जन्मजात कॉस्मेटिक बीमारियों में काम में लिये जाते हैं।

मिलेगा एडवांस कॉस्मेटिक उपचार —

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि इस संस्थान में पीआरपी पद्धति द्वारा बाल उगाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। यहां पर हाइफू मशीन द्वारा

स्किन टाइट करके झुर्रियां हटाने का इलाज भी किया जायेगा। लेजर पद्धति द्वारा सफेद दागों व सोरायसिस का इलाज एवं रेडियो फ्रीक्वेंसी व कायो द्वारा विभिन्न चर्म रोगों के इलाज की सुविधा भी यहां उपलब्ध कराई जायेगी। इस प्रकार का एडवांस कॉस्मेटिक उपचार, जो प्राइवेट कॉस्मेटिक संस्थानों में लाखों रुपये में मिलता है, यहां न्यूनतम दरों पर मिल सकेगा।

कार्डियक टॉवर का काम भी अंतिम चरण में, हृदय रोगियों को मिलेगी बड़ी राहत—

प्रमुख शासन सचिव ने सवाई मानसिंह अस्पताल में नवनिर्मित इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंसेज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक इस कार्डियक टॉवर का सिविल वर्क पूरा हो चुका है। उपकरण एवं मशीनें स्थापित करने का काम भी जल्द पूरा कर इसे शीघ्र शुरू किया जाए, ताकि हृदय रोगियों को एक ही छत के नीचे विश्व स्तरीय उपचार सुगमता से मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इसके संचालन के लिए जरूरी शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करवाएं। साथ ही, कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

212 बैड, 5 कैथलेब —

उल्लेखनीय है कि एसएमएस अस्पताल में उच्च स्तरीय हृदय रोग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियो वेस्कुलर साइंसेज विकसित किया गया है। इसमें 212 बैड, 5 ऑपरेशन थियेटर, 5 कैथलैब, 4 ओपीडी काउंटर की सुविधा उपलब्ध होगी। निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी एवं अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. गिरधर गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से मुस्लिम समुदाय को ईद पर गैस के सिलेंडर की सुविधा मुहिया करवाने की मांग

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। वक्फ संपत्ति बचाओ बिंग इकाई धरतीपुत्र राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शब्बीर खान ने ईद का त्यौहार नजदीक होने के वजह से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अनुरोध किया है कि मुस्लिम समुदाय को गैस के सिलेंडर की सुविधा मुहिया करवाई जाए जिससे इस समय के हालात में जो किल्लत बाजार में दिखाई दे रही है समस्या से समाधान हो सके । डॉ. शब्बीर खान ने मांग की है कि भजनलाल की सरकार सबका साथ सबका विकास कर रही है उसमें इस समय का जो ईद का त्यौहार है और हर घर में सिलेंडर से पब्लिक जूझ रही है इस त्योहार के अवसर पर आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप इस समस्या का समाधान अवश्य करवाए। आप इस समय पर अलग से कोई सुविधा उपलब्ध कराये।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

नमाज के लिए उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब मस्जिदों में रही रौनक

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। रमजान उल मुबारक के आखिरी जुमे यानी अलविदा जुमे की नमाज शुक्रवार को मस्जिदों में अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। शहर की बस स्टैंड स्थित कलंदरी मस्जिद, रावण गेट स्थित जामा मस्जिद, शाही मस्जिद, जोगियों का मोहल्ला मस्जिद,धोबियों का मोहल्ला मस्जिद, अबू बकर मस्जिद, पठानों कि मस्जिद सहित अन्य में नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या, में मुस्लिम समाज के लोग उमड़ पड़े। पुलिस और प्रशासन की ओर से भी व्यवस्थाएं की गई। जिससे नमाज शांतिपूर्ण और वहस्थित तरीके से संपन्न हुई। इस अवसर पर उलेमाओं ने रमजान की अहमियत और उसके अध्यात्मिक संदेश पर तकरीर पेश की उलेमाओं ने कहा कि रमजान का महीना सब्र इबादत नेकियों और इंसानियत का पैगाम देता है। इस महीने में रोजा रखना नमाज पढ़ने कुरान शरीफ की तिलावत करने और जरूरतमंदों की मदद करने का विशेष महत्व है। उलेमाओं ने कहा कि अलविदा जुम्मा रमजान की विदाई का संदेश लेकर आता है। और मुसलमान को इस मुबारक महीने में किए गए अच्छे कामों को आगे भी जारी रखने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि ईदउल फितर का त्योहार आपसी भाईचारे मोहब्बत और खुशियों को साझा करने का पर्व है। ईद हमें एक दूसरे के गिले शिकवे भुलाकर समाज में प्रेम और सौंदर्य का संदेश देने कि प्रेरणा देती है। तकरीर में कहा कि रमजान का असली मकसद इंसान को बेहतर इंसान बनना है। जरूरतमंदों की मदद करना गरीबों का ख्याल रखना और समाज में अमन और भाईचारा कायम रखना ही इस महीने कि असली सीख है। नमाज के बाद देश और दुनिया में अमन चैन खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। और लोगों ने इबादत कर रमजान की बरकतों के लिए अल्लाह का शुक्र अदा किया। इस दौरान, एसीपी आईपीएस उषा यादव, थाना प्रभारी हरबिंदर, सिंह पूर्व पार्षद फिरोज नागोरी, शहजाद लोहानी, रफीक नागोरी, अली हसन, मुबारक अली, रियासत खान, इरशाद गोरी, आदिल पठान अन्य लोग उपस्थित रहे।

बमनपुरा में अनाथ बच्चे की मदद को आगे आई समाजसेविका

-जरूरत का सामान और विद्यार्थियों को पेन-टॉफी वितरित

हनीस शेख

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। सूरौठ तहसील के गांव बमनपुरा में एक मार्मिक मानवीय पहल देखने को मिली। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद भरतपुर जिले के रुदावल में प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत समाजसेविका मनोज कुमारी जाटव गांव बमनपुरा पहुंचीं और महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के छात्र राज जाटव से मुलाकात कर उसे सहयोग प्रदान किया। जानकारी के अनुसार राज जाटव के माता-पिता का असामयिक देहांत हो चुका है और वर्तमान में उसकी दादी ही उसका पालन-पोषण कर रही हैं। सीमित संसाधनों के कारण राज को पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक सामग्री और अन्य जरूरतों की कमी का सामना करना पड़ रहा था। जब यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया तो समाजसेविका मनोज कुमारी जाटव ने बच्चे की मदद करने का निर्णय लिया। मनोज कुमारी जाटव गांव बमनपुरा पहुंचीं और राज को कॉपी-किताब, पेंसिल, चप्पल, कपड़े सहित आटा, दाल, चीनी, चाय, बिस्कुट जैसी जरूरी सामग्री भेंट की। इस दौरान राज के चेहरे पर आई मुस्कान और स्नेहपूर्ण आलिंगन का भाव उपस्थित लोगों को भावुक कर गया। उन्होंने राज के साथ-साथ तीन दर्जन से अधिक बच्चियों को कपड़े वितरित किए तथा विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को एक-एक पेन और टॉफी भी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यदि ऐसे बच्चों को किसी प्रकार की जरूरत होगी तो वह सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहेंगी। विद्यालय के अध्यापक शुभम शेरवाल ने बताया कि जल्द ही "शुभम संकल्प फाउंडेशन" के नाम से एक एनजीओ शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद और असहाय बच्चों की सहायता की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की ओर से मिलने वाली सभी योजनाओं का लाभ भी ऐसे बच्चों और उनके परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर रिटायर्ड शिक्षक विजय सिंह डागुर, जटनंगला, भाजपा खेड़ा जमालपुर मंडल अध्यक्ष गीता देवी जाट, मंडल उपाध्यक्ष रामदयाल सैन, राजकुमार शर्मा सहित विद्यालय का स्टाफ और ग्रामीण मौजूद रहे।

राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छता सप्ताह का शुभारंभ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को चूरू रोडवेज बस स्टैंड से स्वच्छता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारियों और आमजन ने शिरकत कर श्रमदान किया और स्वच्छता का संदेश दिया। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। प्रत्येक नागरिक अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प ले और परिवेश को स्वच्छ और सुंदर बनाए। उन्होंने आमजन से स्वच्छता सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान दिवस अब चैत्र प्रतिपदा को मनाया जाएगा। राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समाज के सभी वर्गों को जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और इसकी शुरुआत स्वच्छता अभियान से की गई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की नींव होता है और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सफाई एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इसमें आमजन की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बताया कि 19, 20 और 21 मार्च को चूरू उत्सव के तहत विभिन्न आयोजन किए जाएंगे, जिनमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान राजसखी मेला, ओडीओपी मेला तथा पंच गौरव प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इस मौके पर बसंत शर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष मौजूद रहे और नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। संचालन सुरेश सारस्वत ने किया।

घमुड़वाली थाने की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

-नए एसपी से कार्रवाई की उम्मीद

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमूड़वाली (रॉयल पत्रिका)। जिले में नए पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के पदभार संभालने के बाद आमजन को कानून व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है। विशेष रूप से घमुड़वाली थाना क्षेत्र को लेकर स्थानीय लोगों में लंबे समय से नाराजगी और असंतोष की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि घमुड़वाली थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतरती नजर आ रही है। क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार लगातार बढ़ रहा है और कई जगहों पर यह अमरबेल की तरह फैल चुका है। लोगों का आरोप है कि इस कारण युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है, जिससे सामाजिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। आमजन का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाती, जिससे अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में इस तरह की चर्चाएं लगातार सुनने को मिल रही हैं। लोगों का यह भी कहना है कि घमुड़वाली थाना क्षेत्र में नशे के साथ-साथ अन्य अवैध कारोबार भी बढ़ते जा रहे हैं, जिससे आमजन खुद को असुरक्षित महसूस करने लगा है। ग्रामीणों के अनुसार यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। अब क्षेत्र के लोगों की नजर नए पुलिस अधीक्षक हरिशंकर पर टिकी हुई है। आमजन को उम्मीद है कि वे घमुड़वाली थाना क्षेत्र की स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे और नशे व अवैध कारोबार पर लगाम लगाएंगे। फिलहाल घमुड़वाली थाना क्षेत्र की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में एक ही सवाल चर्चा में है—क्या नए एसपी के आने के बाद यहां की कानून व्यवस्था में सुधार हो पाएगा या नहीं।

मोहम्मद निजामुद्दीन बने अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव

हनीस शेख

हिंडौन सिटी(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में कांग्रेस संगठन में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा जारी सूची में भट्टा कॉलोनी निवासी मोहम्मद निजामुद्दीन को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। मोहम्मद निजामुद्दीन को संगठन को मजबूत करने और अल्पसंख्यक समाज के बीच पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंप गई उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समाज में खुशी की लहर है।निजामुद्दीन के समर्थकों ने मिठाई बांट कर खुशी का इजहार किया इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी, एमडी चोपदार सहित पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद देते हुए मोहम्मद निजामुद्दीन ने आभार प्रकट किया।

धोलखेड़ा व ऊंकरूंद में विधायक राजेंद्र मीणा ने विकास की दी सौगात

-विधायक राजेंद्र मीणा ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण, पशु चिकित्सालय भवन का किया शिलान्यास

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र के ऊंकरूंद ग्राम धोलखेड़ापंचायत मुख्यालय पर शनिवार को क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के तहत विधायक राजेंद्र मीणा ने ग्राम धोलखेड़ा में गांव के पंच पटेल और ग्रामीण की उपस्थिति में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण किया गया। वहीं ग्राम पंचायत मुख्यालय ऊंकरूंद में पंच-पटेलों और ग्रामीणों की मौजूदगी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (लगभग 41 लाख रुपए की लागत) का लोकार्पण किया गया तथा पशु चिकित्सालय भवन (लगभग 47 लाख रुपए की लागत) का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और पशुपालकों को सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है। इन दोनों परियोजनाओं के शुरू होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनका संकल्प लगातार जारी है और जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की किसी प्रकार से कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस मौके पर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रोहित शर्मा, मंडावर अस्पताल पीएमओ डॉक्टर नरसी राम मीणा, पूर्व सरपंच राम सिंह मीणा, समाजसेवी रामफूल पटेल, राजेश ऊंकरूंद, पवन ऊंकरूंद, रघुवीर मेम्बर, गजराज ऊंकरूंद, वकील ऊंकरूंद, जगदीश, नंदलाल मीणा, रोशन टहलड़ी, सतीश नौरंगपुरा, खुशीराम राजगढ़, नीरज ऊंकरूंद सहित गांव के पंच पटेल सैकड़ों ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कुबा मस्जिद के पास रोज़ा इफ्तार की दावत में देश-प्रदेश के लिए अमन चैन की दुआएं की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चमनबास में मस्जिद कुबा के पास हाजी यूसुफ खान चौहान राजवंशी की तरफ से रोज़ा इफ्तार की दावत रखी गई जिसमें काफी संख्या में रोजेदार व सर्व समाज के लोगों ने शिरकत की ओर देश और प्रदेश के लिए अमन चैन की दुआएं की, रमज़ान के पवित्र महीने में रोज़ा इफ्तार सूर्यास्त के समय रोज़ा खोलने की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और खुशी की रस्म है। दिनभर भूखे-प्यासे रहने के बाद, मुसलमान रोजेदार खजूर, पानी और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ इफ्तार करते हैं। इफ्तार से पहले दुआ पढ़ना और सामूहिक रूप से इसे मनाना भाईचारे को बढ़ाता है। इफ्तार का समय मग़रिब की अज़ान (सूर्यास्त) के साथ शुरू होता है। पैगंबर मुहम्मद साहब के अनुसार, रोज़ा खजूर या पानी से खोलना सुन्नत है। मौलाना अब्दुल रहमान ने इफ्तार की दुआ: "अल्लाहुम्मा इन्नी लाका सुमतु व बिका आमन्तु व अलैका तवक्कलतु व अला रिज़्क़िका आफतारतु" (हे अल्लाह, मैंने तेरे लिए रोज़ा रखा और तेरे रिज़्क से इफ्तार किया)। रोजा इफ्तार का समय आत्म-संयम, आभार और अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करने का समय होता है। और भाईचाराः लोग इसे परिवार, दोस्तों और गरीबों के साथ बांटकर खाते हैं, जिससे समुदाय में एकता और करुणा की भावना मजबूत होती है। इफ्तार सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि अल्लाह के करीब आने और रोज़े की इबादत को मुकम्मल करने का एक अनमोल अवसर है। इफ्तार पार्टी में हाजी युसूफ खान चौहान, सिराज खा जोईया, रमजान खान जोईयां, सत्तार खान चायल, साबिर खान चायल, शफीक खान चौहान, रफीक खान, आसिफ खा चौहान, जमील चौहान, इमरान जोईया, संजय भाटी पार्षद, ईस्माइल भाटी पार्षद, हारून गोरी, बबलू चौहान, इस्माइल चौहान, निजाम खान, सत्तार खान दौलतखानी आदि सैकड़ो की संख्या में लोगों ने रोजा इफ्तार किया और दुआए की।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

-चिट्टा व प्रतिबंधित कैप्सूल सहित युवक गिरफ्तार

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/पदमपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पदमपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को चिट्टा, प्रतिबंधित कैप्सूल और भारी मात्रा में नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन तथा सीओ पुष्पेंद्र सिंह के सुपरविजन में की गई। पदमपुर थाना पुलिस ने धानमंडी गेट नंबर 4 के पास कार्रवाई करते हुए वार्ड नंबर 25 निवासी एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से 17.53 ग्राम चिट्टा, 2200 प्रतिबंधित कैप्सूल तथा 1,53,460 रुपये की नगदी बरामद की गई। पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई थानाधिकारी सुमन जयपाल के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में कांस्टेबल राजेश, दीपचंद और कालूराम की विशेष भूमिका रही। पदमपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के तार नशा तस्करी के किन लोगों से जुड़े हुए हैं।

डालमास में श्री जमवाय माता मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह

-भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने किया संबोधन

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी आज एक दिवसीय दौरे पर लक्ष्मणगढ़ आये जहां लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र के डालमास गांव में श्रीजमावय माता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की। शेखावाटी के साधु-संतों के सानिध्य में आयोजित श्रीजमवाय माता मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित बड़ी संख्या महिलाएं और समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि लक्ष्मणगढ़ के डालमास गांव में श्रीजमवाय माता का मंदिर भी आस्था का केंद्र है। बगड़ी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सनातनी संस्कृत हजारों सालों से कायम है। उन्होंने कहा कि साधु संतो का सानिध्य भक्तों को बराबर मिलता है। बगड़ी ने कहा कि सूर्य की उत्पत्ति के साथ ही भगवा की उत्पत्ति हुई थी और भक्तों की वजह से हमारी सनातनी संस्कृति आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जात-पात से दूर रहकर भाईचारे के साथ सनातनी संस्कृति को आगे बढ़ाएं जिसमें मातृशक्ति और युवाओं का विशेष योगदान है। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में लक्ष्मणगढ़ के गाडोदा आश्रम के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज, शीलजती आश्रम के पीठाधीश्वर शिवराजजति महाराज, भाजपा नेता जितेंद्र कारंगा, नरपतसिंह डांगरा, भवानी सिंह खेड़ी, राजेश खाखल, भोजासर के सरपंच संदीप शर्मा, पाटोदा के सतीश शर्मा, दिनेश जोशी सहित बड़ी संख्या महिलाएं और ग्रामीण मोजुद थे।

जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान का "मंथन" कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले के अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल के नेतृत्व में जिला कोषाध्यक्ष लोकेश जैन जिला युवा इकाई जिलाध्यक्ष नितेश मोदी जिला महामंत्री डॉ. गौरव मंगल एवं यश गुप्ता आदि लोग शामिल हुए । शनिवार को समुराई रिसॉर्ट, भांकरोटा, जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान द्वारा "मंथन" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम मुख्य अतिथि / विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान मदन राठौड़ प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, राजस्थान श्रीमती दिया कुमारी माननीय उपमुख्यमंत्री, राजस्थान गौतम दक सहकारिता मंत्री, राजस्थान सरकार मौजूद रहे। अन्य प्रमुख अतिथि के रूप में दामोदर अग्रवाल संरक्षक, मुख्य वक्ता संजय अग्रवाल (यू.यू. बैंक) स्वागत अध्यक्ष सुनील जैन (अक्षत ग्रुप) – सह-स्वागत अध्यक्ष अशोक अग्रवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष आयोजन से जुड़े पदाधिकारी घनश्याम अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी एम. के. गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, प्रदेश महामंत्री के. के. गुप्ता, व. कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश कालानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष युवा एवं महिला इकाई मनीष गुप्ता, प्रदेश युवा अध्यक्ष कैलाश गुप्ता, प्रदेश युवा महामंत्री श्रीमती चारू गुप्ता, प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती लीमा सेठी, प्रदेश महिला महामंत्री जयपुर जिला इकाई सुरेश जैन अध्यक्ष, युवा इकाई, जयपुर जिला संजय पाण्डेयवाल महामंत्री, युवा इकाई, जयपुर जिला तरुण जैन अध्यक्ष, युवा इकाई, जयपुर जिला अंकुर जैन महामंत्री, युवा इकाई, जयपुर जिला श्रीमती सारिका जैन अध्यक्ष, महिला इकाई, जयपुर जिला श्रीमती सुमन साखरचंदानी महामंत्री, महिला इकाई, जयपुर जिला मौजूद रहे। कार्यक्रम में वैश्य समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता तथा युवाओं की भागीदारी को लेकर व्यापक चर्चा की गई। प्रदेशभर से आए समाज के पदाधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने समाज के विकास, शिक्षा, व्यापार और सामाजिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा से देश और प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाए रखने की बात कही।

उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने भी समाज के युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मंत्री गौतम दक ने भी समाज के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में समाज के साथ मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का विश्वास दिलाया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि वैश्य समाज हमेशा से देश और समाज की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति में अग्रणी रहा है। व्यापार, सेवा और परोपकार के माध्यम से इस समाज ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों, समाजसेवियों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। यह मंथन कार्यक्रम समाज के लिए नई दिशा और नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध हुआ।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती - दस्तावेज सत्यापन जारी संयुक्त निदेशक संभाग चूरू ने किया निरीक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती 2024 पात्रता जांच व दस्तावेज सत्यापन का कार्य का निरीक्षण संयुक्त निदेशक संगीता मानवी के निर्देशन में लगातार चौथे दिन जारी रहा। रविवार को अंतराल रहेगा और सोमवार से अगला चरण शुरू होगा। दस्तावेज सत्यापन शिक्षा विभाग संयुक्त निदेशक कार्यालय चूरू के निर्देशन में सेठ गोपी राम गोयनका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 11 मार्च से चल रहा है। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी संयुक्त निदेशक कार्यालय संभाग चूरू महेंद्र बड़सरा और सम्पत सिहं द्वारा लगातार वरिष्ठ उपजिला शिक्षा अधिकारी फिजिकल कमल किशोर, बेधडक बड़सरा, विजय धुंधवाल, शिवराज सिहं, धर्मेंद्र मुंड, गरिमा चाहर के साथ अपनी टीमों के साथ समन्वय कर पुरी प्रक्रिया का पर्यवेक्षण कार्य किया जा रहा है। सहायक निदेशक प्रमेंद्र शर्मा ने बताया कि दस्तावेज सत्यापन हेतु प्रति दिन 750 अभ्यर्थियों के दस्तावेज की जांच व सत्यापन कार्य का लक्ष्य दिया गया है। आज चौथे दिन सामान्य अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन व पात्रता जांच की गयी आज कुल 605 उपस्थित रहे 145 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे । यद्यपि भर्ती की शैक्षणिक यौग्यता सैकेडरी उत्तीर्ण है मगर उच्च यौग्यता वाले अभ्यर्थी ज्यादा संख्या मे दस्तावेज सत्यापन के लिए चयनित हुए है। आनलाइन फिडिगं का कार्य प्रतिदिन - निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर के निर्देशानुसार रामचंद्र जांगिड, विजय मीणा, रघुवीर स्वामी, संजय गुप्ता, प्रकाश सैनी, नितेश शर्मा मनोज वर्मा मनमोहन सैनी व विकास शर्मा द्वारा सत्यापन पात्रता की फाईल्स के डेटा फिडिंग का कार्य पुरा होने तक प्रतिदिन रात तक किया जा रहा है। प्रतिदिन की सूचना आनलाइन निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर प्रेषित की जा रही है। सेठ गोपीराम गोयनका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य ओम प्रकाश फगेडिया द्वारा पुरी व्यवस्था मे शानदार सहयोग दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया का संचालन शारीरिक शिक्षको की टीम द्वारा -अभ्यर्थियों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार के साथ परिसर में टोकन व बायोमेट्रिक प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण कार्य गोगराज, कुलदीप कुल्हरी, पिकेंश, सुमित्रा व ममता द्वारा किया जा रहा है जिसे अभ्यर्थियों द्वारा भी सराहा जा रहा है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

अधिवक्ता एकता का संदेश, पाली में जुटे राजस्थान के वकील

-अधिवक्ताओं का राज्य स्तरीय सम्मेलन, कई मुद्दों पर हुआ मंथन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस का भव्य शुभारंभ पाली-जाडन स्थित प्रसिद्ध ओम आश्रम में हुआ। सम्मेलन में राजस्थान के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अधिवक्ता एक मंच पर एकत्रित हुए। प्रदेशभर से आए अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय भागीदारी के चलते यह आयोजन अधिवक्ताओं के महाकुंभ के रूप में नजर आया, जहां अधिवक्ता हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन किया गया।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस का भव्य शुभारंभ:-

राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अवतार पुरी (उताधिकारी, ओम आश्रम जाडन), फूल पुरी (महामण्डलेश्वर), राजेन्द्र पुरी (आचार्य), रणजीत जोशी (अध्यक्ष, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जोधपुर), राम मनोहर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, जयपुर), रघु गौतम तथा दिलीप सिंह उदावत (अध्यक्ष, लायर्स एसोसिएशन जोधपुर), अध्यक्ष पी.एम. जोशी एवं सचिव मुकुल सोनी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अभिभाषक मंडल पाली के अध्यक्ष पी.एम. जोशी ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी गणमान्य अतिथियों एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों से पधारे अधिवक्ताओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेशभर से आए अधिवक्ताओं की उपस्थिति इस राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस को ऐतिहासिक बना रही है। उन्होंने अधिवक्ता एकता, संगठन की मजबूती तथा अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए इस प्रकार के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और सभी अधिवक्ताओं का कार्यक्रम में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि अवतार पुरी उताधिकारी, ओम आश्रम जाडन एवं फूल पुरी महामण्डलेश्वर ने अपने संबोधन में "सत्यमेव जयते" के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था का मूल आधार सत्य और धर्म है तथा अधिवक्ता समाज न्याय की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अधिवक्ताओं से सत्य, न्याय और समाज सेवा के मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कोटा अभिभाषक मंडल पूर्व अध्यक्ष रघुनंदन गौतम ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते

हुए कहा कि अधिवक्ताओं की आवाज को बार काउंसिल एवं राज्य सरकार को अवश्य सुनना होगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जिला स्तर पर बार काउंसिल के कार्यालय खोले जाने की आवश्यकता है, ताकि अधिवक्ताओं को अपने कार्यों के लिए दूर-दूर तक नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज की आवाज को कोई दबा नहीं सकता, और अधिवक्ताओं के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सभी अधिवक्ता एकजुट हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिवक्ता वेलफेयर फंड में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन इस राशि का उपयोग कहां और किस प्रकार किया जा रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी अधिकांश अधिवक्ताओं को नहीं है। इसलिए वेलफेयर फंड में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। दिलीप सिंह उदावत ने संबोधन मे कहा कि अधिवक्ता हितों से जुड़े प्रत्येक विषय पर होने वाला विचार-विमर्श अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज की समस्याओं और मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार कर उन्हें स्वीकार करना चाहिए। अभिभाषक मंडल टोंक के अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ता कभी भी रिटायर नहीं होता, वह जीवनभर न्याय व्यवस्था की सेवा करता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एडीआर (ADR) कार्यालय खोलने से न्याय व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। छोटे-छोटे शहरों में कार्यरत अधिवक्ताओं को लगातार बढ़ती समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय राजनेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन अधिवक्ताओं के हितों की बात बहुत कम की जाती है। उन्होंने मांग की कि बार काउंसिल के चुनाव में प्रत्येक जिले से प्रतिनिधिमंडल का सदस्य होना चाहिए, ताकि सभी जिलों के अधिवक्ताओं की आवाज को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। कॉन्फ्रेंस के द्वितीय सत्र में अधिवक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राकेश प्रजापत (अध्यक्ष, ब्यावर), विजयराज चौधरी (अध्यक्ष, बाली), देवेंद्र (अध्यक्ष, सोजत), मुकेश श्रीमाली (अध्यक्ष, देसूरी) तथा ललित दवे (अध्यक्ष, रानी) ने अधिवक्ता हितों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखते हुए अधिवक्ताओं की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की। जयपुर से राममनोहर शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ताओं की हुंकार आज इस पवित्र नगरी से उठ रही है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को जागरूक करना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि अधिवक्ता समाज अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रह सके। उन्होंने कहा कि कई बार बार काउंसिल और राज्य सरकार अधिवक्ताओं की आवाज को दबाने का प्रयास करती है, लेकिन अधिवक्ताओं की एकता के कारण उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने अधिवक्ताओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। अभिभाषक मंडल अध्यक्ष पी.एम. जोशी एवं सचिव मुकुल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस में प्रदेशभर से आने वाले अधिवक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके तहत अधिवक्ताओं के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर, आवास व्यवस्था तथा चिकित्सा काउंटर की समुचित व्यवस्था की गई, ताकि बाहर से आने वाले अधिवक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। इस अवसर मदनलाल सोनी, महेन्द्र कुमार व्यास, सुमेर सिंह राजपुरोहित, कमलेश दवेरा, योगेन्द्र ओझा, चन्द्रभानु सिंह, महेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष जब्बरसिंह सिंह, सचिव मुकुल सोनी, कुन्दन चौहान, सद्दाम काजी, हेमाराम, दीपक सोनी, सुरेश राजपुरोहित, भवानी साहू, रिषभ, अल्ताफ, अर्जुन राठौड, उमेश सांखला, कुसुम लता, डिम्पल, प्रियंका, संतोष सहित अधिवक्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रांत कार्यकारिणी बैठक को लेकर की प्रेस वार्ता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जैन गेस्ट हाऊस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चूरू द्वारा पत्रकार वार्ता की गई जिसमें जयपुर प्रांत के प्रांत मंत्री शुभेंद्र सिंह निर्वाण द्वारा प्रेस वार्ता को संबोधित किया गया जिसमें उन्होंने बैठक की संपूर्ण जानकारी प्रेषित की, उन्होंने बताया की बैठक में आगामी अभियान, कार्यक्रम, व संगठनात्मक विषयों की विभिन्न सत्रों में चर्चा होगी। बैठक कुल 12 सत्र रहेंगे, जिसमें जयपुर प्रांत के 22 जिलों में से 153 कार्यकर्ता अपेक्षित रहेंगे। कार्यकारिणी में विशेष रूप से उतर पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्विनी शर्मा का मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त होगा साथ ही जयपुर प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री पूरन सिंह शाहपुरा, प्रांत अध्यक्ष डॉ. दिनेश जैन भी उपस्थित रहेंगे। प्रेस वार्ता प्रांत मंत्री शुभेंद्र जीके द्वारा आगामी प्रमुख अभियानों वह कार्यक्रमों को लेकर भी पूर्ण जानकारी दी हल्दीघाटी के 450 से वर्ष पर हल्दीघाटी गौरव ज्ञान परीक्षा, परिसरों में स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान, महारानी अबका का जी चोटा की 500 भी जयंती पर कार्यक्रम, भगवान बिरसा मुंडा जन्मजयंती सार्दसती पर कार्यक्रम इन सभी पर को लेकर योजना की जाएगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चूरू के जिला संयोजक कुलदीप सिंह जागावत ने बताया कि जयपुर प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी की बैठक 14 मार्च शाम से शुरू होकर 15 मार्च शाम तक जैन गेस्ट में रहेगी, चूरू जिले के सभी कार्यकर्ताओं के लिए बड़ा ही हर्ष का विषय की कई वर्षों के बाद चूरू को प्रांत कार्यकारिणी बैठक करवाने की जिम्मेदारी मिली। सभी कार्यकर्ता 5 दिनों से व्यवस्थाओं में लगे हैं।

अल्पसंख्यक प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी घोषित, भीलवाड़ा जिले से 11 को मिली जगह

इकबाल मोहम्मद शाह

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस के राज्यसभा सांसद, राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस में नई नियुक्तियाँ की गई हैं। इसी क्रम में प्रदेशाध्यक्ष एम. डी. चोपदार ने प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की कार्यकारिणी घोषित की जिसमें भीलवाड़ा जिले से 11 को जगह मिली जिसमें एक महिला हैं। अल्पसंख्यक विभाग ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने जानकारी देते बताया कि भीलवाड़ा से प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मांडलगढ़ के पूर्व चेयरमैन जफर हुसैन टांक, प्रदेश महासचिव पद पर शबनम डायर, और इकबाल काजी को नियुक्त किया। वही प्रदेश सचिव पद के लिए अली मंसूरी, ताहिर पठान, सोनू कायमखानी व प्रदेश कॉर्डिनेटर पर एडवोकेट फारुख मंसूरी, आरिफ बिसायती, आरिफ खान कायमखानी, मुनीर लोहार एवं प्रदेश सह सचिव पद के लिए कश्मीर शेख को नियुक्त किया गया हैं। नियुक्ति पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने खुशी का इजहार किया। समर्थकों का कहना है कि उनकी नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी और अल्पसंख्यक समाज से जुड़ी समस्याओं को प्रदेश स्तर पर प्रभावी तरीके से उठाया जा सकेगा। अपनी नियुक्ति पर सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत बनाने और अल्पसंख्यक समाज के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। अल्पसंख्यक विभाग ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने सभी अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रोजा और मेटाबोलिज्म- न्यूट्रिशनिस्ट साइमा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) ने माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की ओर बताया कि रोजा (उपवास) और मेटाबोलिज्म के बीच गहरा संबंध है। रोजा के दौरान शरीर को भोजन और पानी से कुछ समय के लिए दूर रखा जाता है, जिससे शरीर के मेटाबोलिज्म में कई बदलाव होते हैं।

रोजा के दौरान होने वाले मेटाबॉलिक बदलाव:-

1. ग्लूकोज का स्तरः रोजा के दौरान शरीर को ग्लूकोज की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर कम होता है।
2. केटोसिसः जब शरीर को पर्याप्त ग्लूकोज नहीं मिलता, तो शरीर वसा को ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग करना शुरू करता है, जिससे केटोन्स बनते हैं।
3. वसा जलनाः रोजा के दौरान शरीर वसा को जलाने लगता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है।
4. मेटाबॉलिक दरः रोजा के दौरान शरीर की मेटाबॉलिक दर थोड़ी धीमी हो सकती है, जिससे शरीर ऊर्जा की बचत करता है। 5. हार्मोनल बदलावः रोजा के दौरान शरीर में इंसुलिन और ग्लूकागन जैसे हार्मोन के स्तर में बदलाव होते हैं।

रोजा के मेटाबॉलिक लाभ:-

वजन कम करने में मददः वसा जलने की प्रक्रिया के कारण वजन कम करने में सहायता मिलती है। कैंसर के खतरे में कमीः रोजा रखने से शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव कम हो सकता है। ऑटोफैजी, जिससे कैंसर के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।मानसिक स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से मानसिक शांति मिलती है और तनाव व चिंता को कम करने में मदद मिलती है। पाचन तंत्र में सुधारः रोजा पाचन तंत्र को आराम देता है और पाचन से जुड़ी समस्याओं में सुधार ला सकता है।

इम्यून सिस्टम में सुधारः नियमित रोजा से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो सकती है। त्वचा के स्वास्थ्य में सुधारः रोजा शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है, जिससे त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। आत्म-नियंत्रण और अनुशासनः रोजा रखने से आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की भावना मजबूत होती है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधारः रोजा इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हृदय स्वास्थ्य में सुधारः रोजा से हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। सूजन में कमीः रोजा शरीर में सूजन को कम करने में सहायक हो सकता है।

साइमा (डाइटिशियन & न्यूट्रिशनिस्ट) के अनुसार, रोजा रखते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए सेहरी और इफ्तार में संतुलित और पौष्टिक भोजन लिया जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित, लंबित प्रकरणों का निस्तारण राजीनामा से करवाया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। तालुका विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोकण अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक, राजस्व सहित अन्य प्रकरणों का निस्तारण आपसी राजीनामा से करवाया गया। जानकारी के अनुसार न्यायालय परिसर मेंच आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान महवा ब्लॉक के बैंकों की विभिन्न शाखाओं, आर जी बी तथा बिजली विभाग आदि से संबंधित प्री लिटिगेशन के प्रकरणों एवं राजस्व संबंधी प्रकरणों का निस्तारण राजनामें से करवाया गया तथा कुल 2 करोड़ 34 लाख 21 हजार रुपए

की राशि का सेटलमेंट किया गया। इस मौके पर प्रथम बैंच के अध्यक्ष अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश आशुतोष गोसिन्हा, द्वितीय बेंच की अध्यक्ष सुश्री नीतू भारद्वाज अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट, तहसीलदार पृथ्वीराज मीणा, सदस्य महेंद्र कुमार शर्मा, विष्णु सिंह कुशवाहा, भुवनेश त्रिवेदी, शिवचरण शर्मा, योगेंद्र कुमार शर्मा, महेश सिंह, मुकेश सिंह, सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

वर्ष 2026 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन

- कुल 96986 प्रकरणों में से 92535 प्रकरणों का निस्तारण कर 117300860 रुपए के अवार्ड किये गये पारित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में शनिवार को जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर में स्थित न्यायालयों तथा तालुका विधिक सेवा समितियों गंगापुर सिटी, खण्डार, बौंली, बामनवास एवं न्यायालय चौथ का बरवाड़ा में इस वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी राजीनामे से प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिले में कुल 10 बैंचो का गठन किया गया। जिनमें जिला मुख्यालय पर न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, स्थायी लोक अदालत के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता देवेन्द्र दीक्षित जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर द्वारा तथा जिला एवं सेशन न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, एससी/एसटी न्यायालय, अपर जिला एवं सेशन न्यायालय सवाई माधोपुर के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता असीम कुलश्रेष्ठ न्यायाधीश विशिष्ट न्यायालय अजा/अजजा (अ.नि.) प्रकरण सवाई माधोपुर द्वारा तथा न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-01 एवं संख्या-02 सवाई माधोपुर के मामलों हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता आशुतोष सिंह आढ़ा वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सवाई माधोपुर द्वारा तथा राजस्व

व प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा की गई। बैंचों द्वारा सभी प्रकार के राजीनामा योग्य आपराधिक मामलें, पारिवारिक मामले, सिविल प्रकृति के मामलें, चैक अनादरण प्रकरण, बैंकों के ऋण वसूली मामलें, राजस्व से सबंधित मामलों एवं सभी प्रकार के राजीनामा योग्य मामलों की सुनवाई कर उभय पक्षकारों के मध्य समझाईश कर आपसी राजीनामें के माध्यम से प्रकरणों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सवाई माधोपुर न्यायक्षेत्र में लम्बित कुल 19193 प्रकरणों में से 17783 प्रकरणों का निस्तारण कर 51837231 रूपए के अवार्ड पारित किए गए तथा प्री-लिटिगेशन के कुल 77793 प्रकरणों में से 74752 प्रकरणों का निस्तारण कर 65463629 रूपए के अवार्ड पारित किये गये। इस प्रकार कुल 96986 प्रकरणों में से 92535 प्रकरणों का निस्तारण कर 117300860 रूपए (अक्षरे ग्यारह करोड़ तिहत्तर लाख आठ सौ साठ रूपये) के अवार्ड पारित किये गये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष देवेन्द्र दीक्षित ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालतें सौहार्दपूर्ण तरीके से त्वरित न्याय प्राप्त करने का एक बेहतरीन मंच है, राष्ट्रीय लोक अदालतों ने 'न्याय सब के लिये' की अवधारणा को साकार करने का कार्य किया है। जिला मुख्यालय पर प्री-लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों के लिये गठित बैंच की अध्यक्ष समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा सदस्य पैनल अधिवक्ता राजेन्द्र यादव द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं अन्य बैंकों तथा जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड एवं अन्य वितीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं पक्षकारों के मध्य समझाईश कर सैकडों प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निस्तारण हेतु गठित बैंच द्वारा धनवसूली के 717 में से 286 प्रकरणों, बिजली, पानी, मोबाईल, क्रेडिट कार्ड एवं अन्य बिलों के भुगतान से संबंधित 2080 में से 2049 प्रकरणों, राजस्व विवाद के 7857 में से 7413 प्रकरणों एवं अन्य राजीनामा योग्य 57306 प्रकरणों में से 55173 प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों हेतु गठित बैंचों द्वारा राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों के 962 प्रकरणों में से 917 प्रकरणों एवं सिविल मामलों के 374 में से 126 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

बींझबायला इंडेन गैस एजेंसी पर उपभोक्ता परेशान, ओटीपी के बिना नहीं मिल रहा सिलेंडर

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र की इंडेन गैस एजेंसी में इन दिनों उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा ओटीपी (OTP) आने के बाद ही गैस सिलेंडर देने की बात कही जा रही है, जिससे कई उपभोक्ता परेशान होकर एजेंसी के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मोबाइल पर ओटीपी समय पर नहीं आता या नेटवर्क की समस्या के कारण संदेश नहीं मिल पाता। ऐसे में एजेंसी के कर्मचारी साफ तौर पर कह देते हैं कि "ओटीपी नहीं आया तो सिलेंडर नहीं मिलेगा।" इससे दूर-दराज के गांवों से आने वाले उपभोक्ताओं को बिना सिलेंडर के ही वापस लौटना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी कर्मचारियों की लापरवाही और सख्त रवैये के कारण आम जनता को बेवजह परेशान होना पड़ रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में कई बुजुर्ग और अनपढ़ उपभोक्ताओं को मोबाइल पर आने वाले ओटीपी की प्रक्रिया समझ में नहीं आती, जिसके कारण उन्हें अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले की तुलना में अब गैस लेने की प्रक्रिया काफी जटिल हो गई है। ज्यादा नियम-कायदे लागू होने से ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए गैस सिलेंडर प्राप्त करना मुश्किल होता जा रहा है। कई उपभोक्ताओं ने सवाल उठाया है कि यदि ओटीपी नहीं आता तो रसोई तक गैस सिलेंडर कैसे पहुंचेगा। ग्रामीणों और उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द समाधान किया जाए और गैस एजेंसी को निर्देश दिए जाएं कि ग्रामीणों को राहत देते हुए गैस वितरण व्यवस्था को सरल बनाया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

राजसखी मेला का समापन समारोह 15 मार्च को

झुंझुनूं। जिला प्रशासन एवं राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजसखी मेला, झुंझुनूं का भव्य समापन समारोह 15 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। यह मेला 7 मार्च से 15 मार्च 2026 तक शहीद परमवीर पीरू सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से तथा जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू होंगे। कार्यक्रम के दौरान बजट घोषणा के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन श्रेष्ठ स्टॉलों को सम्मानित भी किया जाएगा। राजसखी मेले का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अवसर प्रदान करना है। मेले में हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, हस्तनिर्मित वस्त्र, गृह सज्जा सामग्री एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे आगंतुकों द्वारा काफी सराहा गया।

हनुमानगढ़ में आईपीएस हरि शंकर का कार्यकाल रहा अच्छा

-अब श्रीगंगानगर जिले को बड़ी उम्मीद

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले में आईपीएस अधिकारी हरि शंकर का कार्यकाल यादगार रहा। शांत स्वभाव और लचीले रवैये के धनी हरि शंकर ने न केवल कानून-व्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि जिले की जनता और पुलिसकर्मियों के दिलों में भी विशेष स्थान बनाया। नेठराना के मासूम हत्याकांड में उनकी शानदार कोशिशें आज भी सराही जाती हैं, भले ही हत्यारा अभी फरार हो। उनके नेतृत्व में टिब्बी थाना क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद जिले में कानून-व्यवस्था को

पटरी पर लाने का श्रेय सीधे उन्हें जाता है। पुलिस की छवि सुधारने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए, जिससे आमजन में विश्वास बढ़ा। अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए उनका कार्यकाल बेहद सकारात्मक रहा—लचीले स्वभाव के कारण पुलिस टीम ने न केवल बेहतर प्रदर्शन किया, बल्कि आराम और प्रोत्साहन भी महसूस किया। कार्यकाल के दौरान कार्रवाइयों की संख्या संतुलित रही, खासकर नशे के खिलाफ अभियान ने जिले को नई ऊर्जा दी। हरि शंकर को जिले भर में सम्मानित अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जिनकी पहचान शांतिप्रिय और प्रभावी प्रशासक के रूप में बनी। अब श्रीगंगानगर की पुलिस और वहां की जनता के लिए उनका आगमन सुनहरा अध्याय साबित होगा—यही हमारी कामना है।

'कप्तान' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे

साकिब सलीम

अभिनेता साकिब सलीम अपने अगले ओटीटी सीरीज़ 'कप्तान' में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। अमेजन एमएक्स प्लेयर ने अपनी ओरिजिनल सीरीज़ 'कप्तान' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें मुख्य भूमिका में साकिब सलीम नजर आ रहे हैं। सीरीज़ में साकिब समरदीप सिंह नाम के एक समर्पित पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं, जो बदले की आग और एक ईमानदार अफसर होने की जिम्मेदारी के बीच खुद को फंसा हुआ पाता है। इस पोस्टर में साकिब पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं, जो इशारा करता है कि यह कहानी एक्शन से भरपूर होने वाली है। दर्शकों ने अब तक साकिब को पुलिस अधिकारी के रूप में नहीं देखा है, लेकिन यह पोस्टर साफ दिखाता है कि वह इस किरदार के जरिए अपने अभिनय के नए आयाम पेश करने के लिए तैयार हैं। 'कप्तान' में साकिब सलीम के साथ कविता कौशिक, सिद्धार्थ निगम, वरुण बडोला, अनुष्का कौशिक, पूजा गोर और विक्रम कोचर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निम्रत कौर

कई बार रिजेक्ट होने के बाद मिला था पहला काम

निजी जिंदगी में बड़े हादसों को झेलने के बाद पर्दे पर पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना हिम्मतवालों का काम है और ऐसी हिम्मत व जज्बा कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। ऐसी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अभिनेत्री हैं निम्रत कौर, जिन्होंने 'द लंचबॉक्स,' 'पेडल्स,' और 'होमलैंड' जैसी फिल्मों से हॉलीवुड और बॉलीवुड में दर्शकों का दिल जीता। निम्रत कौर आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे लेकिन कश्मीर में हुए एक विद्रोह में कुछ लोगों ने उन्हें किडनैप करके मौत के घाट उतार दिया था और उस वक्त निम्रत 12 साल की थी। अपने पिता को खोने का गम साथ लिए वह परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट हो गई, जहां उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। निम्रत को पहले से ही बॉलीवुड की चमक पसंद थी और अपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए न सिर्फ मुंबई का रुख किया बल्कि थिएटर भी किया। पहले अपनी कला को निखारने के लिए अभिनेत्री ने कई नाटकों में भाग लिया लेकिन फिल्मों में आने की राह आसान नहीं थी। पैसे कमाने के लिए प्रिंट मॉडलिंग की और लेकिन काम की तलाश में उन्हें बॉलीवुड की तरफ से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अभिनेत्री के रंग, हाइट और शारीरिक बनावट पर सवाल उठाए गए लेकिन निम्रत ने कभी हार नहीं मानी और परेशानी का सामना मजबूती से किया। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि काम की तलाश में रोज कई जगह भटकना पड़ता था और पहला काम 85-90 बार ऑडिशन में रिजेक्ट होने के बाद मिला था। निम्रत ने फिल्म से पहले साल 2004 में एल्बम सॉन्ग में काम किया था। उन्हें 'तेरा मेरा प्यार' और 'ये क्या हुआ' गानों में बतौर लीड देखा गया, जिसके बाद अनुराग कश्यप की वजह से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला। उन्हें साल 2012 में दमदार फिल्म 'पेडलर्स' में देखा गया लेकिन असली लोकप्रियता 'द लंचबॉक्स' से मिली थी। आज निम्रत बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी पर अपनी एक्टिंग का दम दिखा रही हैं। उनकी 'द फैमिली मैन', 'एयरलिफ्ट', 'स्काईफोर्स' और 'दसवीं' दर्शकों की फेवरेट क्राइम थ्रिलर सीरीज है।

इम्तियाज अली ने फिर जगाया पुराने दौर का रोमांस, वेदांग-शर्वरी की जोड़ी और दिलजीत की आवाज ने जीता दिल

फिल्म निर्माता इम्तियाज अली, जो अपनी गहरी और रूहानी प्रेम कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर दर्शकों को पुरानी यादों के सफर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। फिल्म की कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के इर्द-गिर्द बुनी गई एक 'क्रॉस-बॉर्डर' लव स्टोरी लगती है। टीजर से जो संकेत मिले हैं, उनके अनुसार नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैनाः ऐसा प्रतीत होता है कि वेदांग रैना, दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के युवा अवतार की भूमिका निभा रहे हैं।शर्वरी उस दौर की प्रेमिका के रूप में नजर आ रही हैं, जिससे जुदाई की कहानी फिल्म का केंद्र है। टीजर में दिलजीत एक 'यूट्यूबर' की भूमिका में लग रहे हैं, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया की ताकत से नसीरुद्दीन शाह को उनके पुराने प्यार से मिलाने की कोशिश करता है। दिलजीत एक यूट्यूबर की भूमिका में नज़र आ रहे हैं, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद से शाह को उनकी पुरानी प्रेमिका से मिलाने की कोशिश करते हैं। हालाँकि ये सब अभी सिर्फ़ अंदाज़े हैं, इन अंदाज़ों की पुष्टि के लिए हमें फ़िल्म के ट्रेलर और फ़िल्म के रिलीज़ होने का इंतज़ार करना होगा। यह बात ध्यान देने लायक है कि 'मैं वापस आऊंगा' दिलजीत दोसांझ और फ़िल्ममेकर इम्तियाज़ अली का दूसरा साथ है।

निक्की तंबोली

का ट्रोलर्स को जवाब, भावनाओं में बहकर शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं। 'निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई। 'उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही। '

बादशाह को जज किया जा रहा है...,'टटीरी' गाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच रैपर सैंटी शर्मा ने सिंगर का बचाव किया

वीडियो टीम अलग होती है, और बादशाह जैसे बड़े आर्टिस्ट को भी शायद पता न हो कि उनका वीडियो ऐसा होगा। आज इंडिया में बादशाह और दूसरे उभरते आर्टिस्ट के लिए एक बड़ी कमी यह है कि इंडिया में सुनने वालों को इस हिप-हॉप आर्ट फ़ॉर्म के बारे में जानकारी की कमी है। मशहूर रैपर और सिंगर बादशाह इन दिनों अपने नए गाने 'टटीरी' को लेकर मुश्किलों में घिरे हुए हैं। गाने के बोल और वीडियो पर मचे भारी बवाल के बाद, जहाँ एक तरफ बादशाह के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और लुकआउट नोटिस की खबरें हैं, वहीं अब म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ कलाकार उनके समर्थन में आगे आए हैं। युवा रैपर सैंटी शर्मा ने बादशाह का बचाव करते हुए लोगों से अपील की है कि वे इस आर्ट फॉर्म को समझने की कोशिश करें। रैपर सैंटी शर्मा ने इंस्टाग्राम पर बादशाह के पक्ष में एक पोस्ट साझा की। उन्होंने दलील दी कि बड़े कलाकारों को अक्सर वीडियो की बारीकियों का पता नहीं होता। सैंटी ने लिखा। 'भारत में लोगों को हिप-हॉप और रैप म्यूजिक के 'रेफरेंस' समझने की कमी है। रैपर अक्सर अपने विरोधियों पर कटाक्ष करने के लिए ऐसी लाइनें लिखते हैं। 'वीडियो और ऑडियो का अंतरः 'ऑडियो पहले बनता है और वीडियो टीम अलग होती है। जरूरी नहीं कि बादशाह को पता हो कि वीडियो में बच्चों या विजुअल्स का इस्तेमाल कैसे किया गया है।' उन्होंने कहा कि अगर लिरिक्स गलत थे तो उन्हें बदला जा सकता था, लेकिन बादशाह को पूरी कहानी जाने बिना जज करना गलत है। सैंटी शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर बादशाह की एक फोटो पोस्ट की और सिंगर का सपोर्ट किया। उन्होंने लिखा, 'रैप म्यूज़िक एक ऐसा जॉनर है जिसमें रैपर अपने कॉम्पिटिटर के बारे में रेफरेंस के तौर पर लाइनें लिखते हैं। गाने का ऑडियो वीडियो से बहुत पहले बनाया जा सकता है। वीडियो टीम अलग होती है, और बादशाह जैसे बड़े आर्टिस्ट को भी शायद पता न हो कि उनका वीडियो ऐसा होगा। आज इंडिया में बादशाह और दूसरे उभरते आर्टिस्ट के लिए एक बड़ी कमी यह है कि इंडिया में सुनने वालों को इस हिप-हॉप आर्ट फ़ॉर्म के बारे में जानकारी की कमी है। अगर किसी गाने का कोई लिरिक्स गलत है, तो लिरिक्स को अपडेट या बदला जाना चाहिए, लेकिन जिस तरह से बादशाह को पूरी कहानी समझे बिना जज किया जा रहा है, वह गलत है।

(साभार एजेंसी)

बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए जारी की सख्त गाइडलाइंस

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए नई और सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। इन नियमों का उद्देश्य टूर्नामेंट के दौरान पिचों की गुणवत्ता बनाए रखना और सभी टीमों को समान अवसर देना है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकेगी जिसका उपयोग विरोधी टीम पहले ही कर चुकी हो। इसके अलावा प्रैक्टिस मैच, नेट सेशन और पिच तैयार करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम भी लागू किए गए हैं।

विरोधी टीम के नेट इस्तेमाल करने पर रोक – नई गाइडलाइंस के अनुसार, किसी भी टीम को उस पिच पर ट्रेनिंग करने की अनुमति नहीं होगी जिसका इस्तेमाल पहले विरोधी टीम कर चुकी हो। बीसीसीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि दो टीमें एक के बाद एक अभ्यास कर रही हैं तो प्रत्येक टीम को अलग-अलग नेट और पिच उपलब्ध कराई जाए। यह नियम थ्रो-डाउन या हल्की प्रैक्टिस पर भी लागू होगा। यानी एक टीम के अभ्यास खत्म होने के बाद दूसरी टीम उसी नेट या पिच का उपयोग नहीं कर सकेगी।

जल्दी प्रैक्टिस खत्म होने पर भी नहीं मिलेगा फायदा – गाइडलाइंस में यह भी कहा गया है कि यदि कोई टीम अपना प्रैक्टिस सेशन तय समय से पहले खत्म कर देती है, तब भी दूसरी टीम को उसी पिच या रेंज-हिटिंग विकेट का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी टीमों को अभ्यास के लिए समान और निष्पक्ष परिस्थितियां मिलें।

लाइट्स के नीचे प्रैक्टिस मैच पर भी सीमा – बीसीसीआई ने प्रैक्टिस मैचों के लिए भी स्पष्ट नियम तय किए हैं। यदि कोई टीम फ्लडलाइट्स के नीचे अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो उसकी अवधि साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं हो सकती। इसके अलावा हर फ्रेंचाइजी को अधिकतम दो प्रैक्टिस मैच खेलने की अनुमति दी गई है, लेकिन इसके लिए पहले बोर्ड को सूचित करना जरूरी होगा।

मैच पिच पर प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित – बोर्ड ने पिच की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक और अहम नियम लागू किया है। जिस पिच पर आधिकारिक मुकाबला खेला जाना है, उस पर किसी भी तरह का अभ्यास मैच या नेट सेशन नहीं होगा। इसके अलावा संबंधित फ्रेंचाइजी के पहले घरेलू मैच से चार दिन पहले तक मेन स्क्वायर पर किसी भी तरह की प्रैक्टिस गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दोनों टीमों को मिलेंगे समान प्रैक्टिस संसाधन

नए नियमों के अनुसार, मैच से पहले अभ्यास के लिए दोनों टीमों को समान संसाधन दिए जाएंगे। प्रत्येक टीम को प्रैक्टिस के लिए दो नेट दिए जाएंगे, जबकि रेंज-हिटिंग के लिए मेन स्क्वायर पर एक अलग नेट उपलब्ध कराया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों तरह की तैयारी करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।

शेड्यूल विवाद में मेहमान टीम को प्राथमिकता

अगर प्रैक्टिस शेड्यूल को लेकर किसी तरह का विवाद होता है, तो बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि मेहमान टीम को प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि घरेलू टीम को अपने पसंदीदा प्रैक्टिस सेशन चुनने का पहला अवसर मिलेगा, लेकिन यदि मेहमान टीम ने हाल ही में मैच खेला हो या लंबी यात्रा की हो, तो उसके अनुरोध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आरोण्यक घोष बने राष्ट्रीय रैपिड शतरंज चैंपियन

रांची (एजेंसी)। शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज की राष्ट्रीय चैंपियनशिप इस समय रांची की बिरला विश्वविद्यालय में खेले जा रहे है और पहले दो के 11 राउंड के रैपिड मुक़ाबले के बाद देश को नया रैपिड चैंपियन रेलवे के अरोण्यक घोष के तौर पर मिला है .उन्होंने सर्वाधिक 9.5 अंक बनाते हुए खिताब अपने नाम किया ,2541 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 8 जीत और 3 ड्रा के साथ अपराजित रहते हुए खिताब अपने नाम किया इस दौरान सातवे से नौवे राउंड के दौरान प्रतियोगिता के शीर्ष तीन वरीय खिलाड़ी अभिमन्यु पौराणिक , मुरली कार्तिकेयन और मित्रभा गुहा पर उनकी जीत नें उनके लिए खिताब की राह आसान बना दी और अंतिम दोनों राउंड उन्होंने सम्हलकर खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। 9 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर तमिलनाडु के मुरली कार्तिकेयन दूसरे और हरि माधवन तीसरे स्थान पर रहे । देश भर से कुल 11 ग्रैंड मास्टर्स समेत कुल 219 खिलाड़ियों नें इसमें प्रतिभागिता की जिसमें कुल 55 टाइटल खिलाड़ी थे ।

ट्रम्प बोले- ईरानी टीम का अमेरिका न आना ही बेहतर

हालांकि हम उनका स्वागत करेंगे, ईरानी मंत्री बोल चुके-फीफा वर्ल्ड कप खेलना मुश्किल

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरानी फुटबॉल टीम को अपनी जान और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका नहीं आना ही बेहतर होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी टीम का स्वागत है।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिलकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मैक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

ईरानी खेल मंत्री ने कहा था कि खेलना मुश्किल- वहीं, एक दिन पहले ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने कहा कि देश की फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकती। उनका कहना है कि अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद बने हालात में टीम का टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। इससे पहले फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने बताया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी।

टिकटों की डिमांड सबसे ज्यादा, खिलाड़ियों को मिलेगा स्टार ट्रीटमेंट- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने बताया कि वर्ल्ड कप के टिकटों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने फैन्स और खिलाड़ियों को भरोसा दिलाते हुए लिखा,संयुक्त राज्य अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। टिकटों की बिक्री आसमान छू रही है। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे महान और सुरक्षित आयोजन होगा। सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और फैन्स के साथ सितारों जैसा व्यवहार किया जाएगा।

ईरानी फुटबॉल फेडरेशन ने सुरक्षा पर उठाए सवाल -ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने भी वर्ल्ड कप को लेकर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान से वर्ल्ड कप को लेकर उम्मीद रखने की गुंजाइश नहीं है।

● कुलदीप यादव की शादी में रिंकू सिंह-युजवेंद्र चहल मसूरी पहुंचे

बोले- भाई की शादी, फुल डांस होगा

शाम को संगीत और कॉकटेल पार्टी आयोजित

मसूरी (एजेंसी)। कुलदीप यादव की शादी को लेकर मसूरी में समारोह शुरू हो चुके हैं। सुबह 11 बजे से हल्दी की रस्म शुरू हुई, जो दोपहर करीब दो बजे के बाद खत्म हुई। इसके बाद मेहमानों ने खास दावत का आनंद लिया, जिसमें एक थाली की कीमत 20 हजार रुपए से ज्यादा है।

हल्दी के बाद समारोह में डांस और मस्ती का दौर शुरू हो गया। इससे पहले ही क्रिकेट और मनोरंजन जगत की कई हस्तियां मसूरी पहुंच चुकी थीं। इसके अलावा रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, कैलाश खेर और बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी समारोह में शामिल होने के लिए मसूरी पहुंचे हैं।

क्रिकेटर रिंकू सिंह अपनी मंगेतर प्रिया सरोज के साथ नजर आए। वहीं, युजवेंद्र चहल ने कहा कि भाई की शादी है, फुल डांस होगा। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप भी समारोह में शामिल होने के लिए मसूरी पहुंच चुके हैं। वहीं, शाम तक तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के पहुंचने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को शादी समारोह में सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा और भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के भी शामिल होने की उम्मीद है।

बचपन की दोस्त से शादी कर रहे कुलदीप- मसूरी में होने वाली इस शादी को लेकर होटल और आसपास के इलाकों में खास तैयारियां की गई हैं। अभी होटल में कुलदीप यादव के दोस्त मस्ती और डांस कर रहे हैं। कुलदीप अपनी मंगेतर और बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को शादी के बंधन में बंधेंगे। यह रॉयल वेडिंग उत्तराखंड के मसूरी स्थित आलीशान आईटीसी सेवॉय होटल में हो रही है। शादी के कार्यक्रम 12 मार्च से शुरू हुए थे, जो 14 मार्च तक चलेंगे। डिजिटल इन्विटेशन कार्ड में मेहंदी, हल्दी, संगीत, कॉकटेल और शादी के मुख्य कार्यक्रम की पूरी जानकारी साझा की गई है। कुलदीप 12 मार्च को देहरादून पहुंचे थे, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद वह कार से मसूरी पहुंचे। होटल के एंट्री गेट पर कुलदीप यादव नाचते और जश्न मनाते हुए नजर आए।

हल्दी रस्म हुई

संगीत और कॉकटेल

13 मार्च को सुबह 11 बजे होटल के बीयर गार्डन में हल्दी की रस्म हुई। इसके बाद शाम 6 बजे सेंट्रल लॉन में ग्रैंड संगीत और कॉकटेल पार्टी आयोजित थी।

● **कुलवंश के नाम से ट्रेंड करेगी शादी-** डिजिटल इन्विटेशन कार्ड की शुरुआत भगवान गणेश की वंदना से की गई है। कार्ड को रॉयल और मॉडर्न लुक दिया गया है, जिसमें कुलदीप यादव और वंशिका सिंह के एनिमेटेड अवतार भी नजर आते हैं। कपल ने अपनी शादी के लिए कुलवंश चुना है। यह हैशटैग कुलदीप के नाम के 'कुल' और वंशिका के नाम के 'वंश' को मिलाकर बनाया गया है। माना जा रहा है कि शादी से जुड़े फोटो और वीडियो इसी हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किए जाएंगे।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है, जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

कांप गए थे पाकिस्तानी खिलाड़ी, वर्ल्ड कप को याद कर बोले शाहिद अफरीदी

करांची (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी ने 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप के भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से जुड़ा एक दिलचस्प और कम सुना गया किस्सा साझा किया है। अफरीदी के मुताबिक मोहाली में खेले गए उस हाई-प्रोफाइल मुकाबले में स्टेडियम का माहौल इतना दबावभरा था कि कुछ पाकिस्तानी बल्लेबाज क्रीज पर जाते समय घबराहट से कांपने लगे थे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में पाकिस्तान की टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन दर्शकों के जबरदस्त शोर और भारतीय टीम के उत्साह ने मैच की दिशा बदल दी।

पहला विकेट गिरते ही बदल गया मैच – अफरीदी के अनुसार, मैच का असली मोड़ तब आया जब पाकिस्तान का पहला विकेट गिरा। जैसे ही विकेट गिरा, स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का शोर कई गुना बढ़ गया और भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह भी साफ दिखाई देने लगा। इस माहौल ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया। अफरीदी ने कहा कि उस समय क्रीज पर जाने वाले कुछ बल्लेबाज घबराहट महसूस कर रहे थे और हर गेंद को खेलना उनके लिए चुनौती बन गया था।

भारतीय दर्शकों का समर्थन बना बड़ा फैक्टर – अफरीदी ने माना कि उस मुकाबले में भारतीय दर्शकों का समर्थन घरेलू टीम के लिए बड़ी ताकत साबित हुआ। उन्होंने कहा कि जब किसी टीम को अपने फैंस से इतना जोरदार समर्थन मिलता है तो खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ जाता है। वहीं विपक्षी टीम पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। उनके मुताबिक, उसी माहौल ने भारतीय टीम को अतिरिक्त ऊर्जा दी और पाकिस्तान के खिलाड़ियों को दबाव में डाल दिया।

मोहाली का माहौल बना पाकिस्तान के लिए चुनौती

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले हमेशा ही बेहद रोमांचक और दबाव से भरे होते हैं। 2011 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल भी ऐसा ही एक मैच था, जो पंजाब में खेला गया था। अफरीदी ने बताया कि उस दिन स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों का जोश असाधारण था। हजारों की संख्या में मौजूद फैंस हर गेंद पर जोरदार शोर कर रहे थे, जिससे मैदान का माहौल बेहद तीव्र और दबावपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, यह शोर सिर्फ माहौल नहीं बना रहा था, बल्कि खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति पर भी असर डाल रहा था।

पाकिस्तान की मजबूत शुरुआत

अफरीदी ने याद करते हुए कहा कि पाकिस्तान की पारी की शुरुआत काफी अच्छी रही थी। सलामी बल्लेबाज मो.हफीज और कमरान अकमल ने मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और शुरुआती विकेट गिरने से बचाए रखा। दोनों बल्लेबाजों ने लगभग 90 रन की साझेदारी की थी। उस समय तक कप्तान के रूप में अफरीदी को भरोसा था कि पाकिस्तान इस मैच में मजबूत स्थिति में है और जीत की ओर बढ़ सकता है।

खुद को निखारने में लगे ऋषभ पंत, युवराज सिंह की देखरेख में ले रहे कड़ी ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मुंबई में एक छोटे से कैंप में भारत के पूर्व बैटिंग ऑलराउंडर युवराज सिंह की देखरेख में अपनी ट्रेनिंग की कुछ झलकियां शेयर कीं। वह 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से पहले अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। पंत लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान हैं और 27 करोड़ रुपए की डील के साथ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। जनवरी में वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज से ठीक पहले बैटिंग करते समय साइड स्ट्रेन (पसली में खिंचाव) का शिकार होने के बाद से कोई भी कॉम्पिटिटिव क्रिकेट नहीं खेले हैं।

ट्रेनिंग सेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें पंत गेंदों का सामना करते हुए दिख रहे हैं, जबकि युवराज अंपायर की जगह से सब कुछ बहुत बारीकी से देख रहे हैं और उन्हें कुछ सलाह भी दे रहे हैं। युवराज की देखरेख में पंत के ये सेशन आज के जमाने के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सफल होने के लिए स्किल्स और टेंपरामेंट, दोनों पर केंद्रित थे। इस मामले से परिचित एक सूत्र ने गुरुवार को आईएएनएस को बताया, असल में ऋषभ अपने खेल को बेहतर बनाने और अपनी फिटनेस को सुधारने के लिए कड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। अगर वीडियो को देखें तो कोई भी यह नोटिस कर सकता है कि वह अब पहले से ज्यादा दुबले भी हो गए हैं। वह अपने व्हाइट-बॉल खेल पर और ज्यादा काम करने के लिए बहुत उत्सुक थे और सिर्फ टी20 वाले पहलू पर ही नहीं।

उन्होंने कहा, इसलिए उन्होंने युवराज से संपर्क किया और कहा कि वह तीन-चार दिनों तक उनकी देखरेख में ट्रेनिंग करना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सीसीआई मैदान पर ट्रेनिंग की जिसके बाद वह एलएसजी के चल रहे प्री-सीजन कैंप में शामिल होने के लिए चेन्नई रवाना हो गए; इसके बाद लखनऊ में एक और कैंप होगा। पंत 2024 पुरुषों के टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों के सदस्य रहे हैं। हालांकि उनका आईपीएल 2025 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने 14 मैचों में 133.16 के स्ट्राइक रेट से 269 रन बनाए, जो 2016 में इस प्रतियोगिता में डेब्यू करने के बाद से उनका सबसे कम स्कोर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सत्र के आखिरी लीग मैच में नाबाद 118 रन बनाने के बावजूद इससे टीम को कोई खास मदद नहीं मिली, क्योंकि वे पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रहे।

ईरान ने किए खाड़ी देशों और इजराइल पर हमले, ट्रंप ने दी चेतावनी

» दुबई, भाषा।

ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर शुक्रवार तड़के कई हमले किए, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उसे बड़े जवाबी हमले की चेतावनी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, देखते रहिए, आज इन कुटिल लोगों का क्या हश्र होता है। ईरान की नौसेना नाश हो चुकी है, वायुसेना तबाह हो गई है। मिसाइल, ड्रोन और सब कुछ खत्म हो गए हैं और उनके नेताओं का नामोनिशान धरती से मिटा दिया गया है। उन्होंने कहा, हम ईरान के आतंकी शासन को सैन्य, आर्थिक और हरेक तरीके से पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, वे 47 वर्ष से दुनिया भर में निर्दोष लोगों को मार रहे हैं और अब मैं, अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति होने के नाते, उन्हें मार रहा हूं।

ऐसा करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों से एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुज्तबा खामेनेई ने ईरानियों के खून का बदला लेने से पीछे न हटने का संकल्प लिया था। उन्होंने खाड़ी के अरब देशों को अमेरिकी ठिकाने बंद करने की चेतावनी देते हुए कहा था कि अमेरिकी सुरक्षा की धारणा झूठ के सिवा कुछ नहीं है। इस बीच, खाड़ी क्षेत्र के आसपास तेल और अन्य बुनियादी ढांचे पर ईरान के हमले जारी हैं। सऊदी अरब ने शुक्रवार को कहा कि उसने तड़के सुबह अलग-अलग समय भेजे गए लगभग 50 ड्रोन मार गिराए। ओमान न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, ओमान के सोहार क्षेत्र के एक औद्योगिक इलाके में दो ड्रोन गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बहरीन में हमले की चेतावनी देने वाले सायरन की आवाज सुनी गई और दुबई में एक औद्योगिक क्षेत्र से काला धुआं उठता देखा गया। अधिकारियों के अनुसार, किसी मिसाइल या हमले को रोकने की कार्रवाई (इंटरसेप्शन) के बाद गिरे मलबे से आग लग गई थी। दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर की एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों के अनुसार, सफल इंटरसेप्शन के बाद गिरे मलबे की वजह से इमारत को नुकसान हुआ है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, देश में अब तक1,300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि इजराइल ने 12 लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं अमेरिका के कम से कम सात सैनिकों की मौत हो चुकी है, और आठ सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ईरान की राजधानी तेहरान के आसपास शुक्रवार तड़के तेज हवाई हमले हुए।

तेहरान में कुद्स दिवस प्रदर्शनस्थल पर भीषण विस्फोट

दुबई। ईरान की राजधानी तेहरान में एक चौक पर शुक्रवार को भीषण विस्फोट हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग फलस्तीनियों के समर्थन में तथा इजराइल के खात्मे के आह्वान पर सरकार द्वारा आयोजित वार्षिक कुद्स दिवस पर इकट्ठा हुए थे। इससे पहले इजराइल ने चेतावनी दी थी कि वह मध्य तेहरान के इस इलाके को निशाना बनाएगा। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। लेकिन प्रदर्शन की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय और इस क्षेत्र को निशाना बनाने की इजरायल की धमकी ने उन दोनों पक्षों के दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया है जो लगभग दो सप्ताह से एक दूसरे के साथ युद्ध में उलझे हुए हैं। इस युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिकी और इजराइली युद्धक विमान ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं। वहीं ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर रोजाना मिसाइल एवं ड्रोन हमले कर रहा है तथा उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। दुनिया के तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा इसी क्षेत्र से गुजरता है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने बृहस्पतिवार को पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए हमलों को जारी रखने और जलडमरूमध्य को बंद रखने का संकल्प लिया। मोजतबा खामेनेई सत्ता संभालने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए हैं, और उनका लिखित बयान सरकारी टीवी पर प्रस्तोता ने पढ़कर सुनाया। ऊर्जा संकट की आशंकाओं और युद्ध के अंत की कोई उम्मीद न होने के कारण वैश्विक चिंताओं के बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक वाले ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रही। ब्रेंट की कीमतें बढ़कर लगभग 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। 28 फरवरी को जब इज़राइल और अमेरिका ने युद्ध शुरू किया था, तब की तुलना में यह लगभग 40 प्रतिशत अधिक हैं।

अमेरिका के रक्षा मंत्री का दावा : ईरान के नए सर्वोच्च नेता घायल

दुबई। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह मुज्तबा खामेनेई घायल हैं और संभवतः उनका शरीर विकृत हो गया है। हेगसेथ का यह बयान ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई के उस बयान के एक दिन बाद शुक्रवार को आया, जिसमें उन्होंने (मुज्तबा खामेनेई ने) एक लिखित बयान जारी करके युद्ध जारी रखने का संकल्प लिया था। अपने पिता की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च पद की जिम्मेदारी संभालने के उपरांत मुज्तबा खामेनेई का यह पहला बयान था।

कुर्द में इरबिल को निशाना बनाकर किए गए हमले में फ्रांसीसी सैनिक की मौत : मैक्रों

बगदाद। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र में इरबिल को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले फ्रांस ने कहा था कि इरबिल में ड्रोन हमले में छह सैनिक घायल हो गए थे। इरबिल में फ्रांसीसी सैनिक इराकी बलों को इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देने वाले बहुराष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी मिशन के तहत तैनात हैं।

जर्मनी चांसलर मर्ज ने ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए ठोस योजना का आह्वान किया

दुबई। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए एक ठोस योजना का आह्वान किया। जर्मन नेता ने नॉर्वे में आयोजित सैन्य अभ्यास में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में यह बात कही। मर्ज ने कहा कि दुनिया एक खतरनाक युद्ध की गवाह बन रही है और उन्होंने कहा कि ईरान पूरे क्षेत्र के देशों पर अंधाधुंध हमले कर रहा है।

पहले ही अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए अन्य देशों को भारत जैसी छूट दी

» वॉशिंगटन, भाषा।

तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने अन्य देशों को इस समय समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद की अस्थाई अनुमति दिए जाने की घोषणा की है। ईरान के खिलाफ अमेरिका एवं इजराइल के युद्ध के जल्द समाप्त होने के तत्काल कोई संकेत नहीं मिलने के बीच यह घोषणा की गई है। अमेरिका ने इससे पहले भारत को भी प्रतिबंधों से इसी तरह की छूट दी थी ताकि वह रूसी तेल खरीद सके। यह कदम 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से बढ़ रही तेल कीमतों को कम करने के प्रयासों के तहत उठाया गया।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए

निर्णायक कदम उठा रहे हैं और हम आतंकवादी ईरानी शासन से उत्पन्न खतरे एवं अस्थिरता से निपटते हुए कीमतों को कम रखने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका ने पांच मार्च को भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी थी। इससे पहले उसने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे। बेसेंट ने कहा, मौजूदा आपूर्ति की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय यह अस्थाई अनुमति दे रहा है ताकि देश इस समय समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीद सकें। उन्होंने कहा कि कम अवधि के लिए और सीमित रूप से उठाया गया यह कदम केवल उस तेल पर लागू होगा जो पहले से परिवहन में है और इससे रूस सरकार को कोई बड़ा वित्तीय लाभ नहीं होगा, क्योंकि उसकी ऊर्जा आय का अधिकतर हिस्सा उत्पादन के बिंदु पर लगाए जाने वाले करों से आता है। बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की ऊर्जा समर्थक नीतियों ने अमेरिका के तेल और गैस उत्पादन को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचाया है जिससे अमेरिकियों के लिए ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। तेल कीमतों में अस्थाई वृद्धि अल्पकालिक और अस्थाई व्यवधान है, जिससे लंबे समय में हमारे देश और अर्थव्यवस्था को भारी लाभ होगा।

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम हिस्से में आईईडी बम धमाके में सात पुलिसकर्मियों की मौत

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शुक्रवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए एक आईईडी बम धमाके में कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि लक्की मारवत जिले के शादी खेल बेट्टानी इलाके में रसूल खेल चेक पोस्ट के पास नियमित गश्त के दौरान एक पुलिस वाहन आईईडी बम विस्फोट की चपेट में आ गया।

उसने बताया कि बम धमाके के चलते थाना प्रभारी आजम, पुलिस वाहन चालक शाह बहराम एवं चार अन्य पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार विस्फोट में इंसाफुद्दीन नामक एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया तथा तलाशी अभियान शुरू किया।

चीन हमले में मारी गई ईरानी छात्राओं के परिजनों को 2,00,000 अमेरिकी डॉलर की सहायता देगा

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के एक प्राथमिक विद्यालय पर किए गए हमले में जान गंवाने वाली छात्राओं के परिजनों को आपात मानवीय सहायता के रूप में 2,00,000 अमेरिकी डॉलर की सहायता प्रदान करेगा। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां मीडिया को बताया कि हाल ही में ईरान के एक प्राथमिक विद्यालय पर हुए हमले में जान गंवाने वाली छात्राओं के प्रति उनका देश गहरी संवेदना व्यक्त करता है और उनके परिवारों के प्रति हार्दिक सहानुभूति जताता है। उन्होंने कहा कि चीन की रेड क्रॉस सोसाइटी ने ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी को आपातकालीन मानवीय सहायता के रूप में 2,00,000 अमेरिकी डॉलर प्रदान करने का निर्णय लिया है।

गुओ ने कहा कि चीन नागरिकों और असैन्य लक्ष्यों पर अंधाधुंध हमलों की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को निशाना बनाना और बच्चों को नुकसान पहुंचाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा, चीन मानवीय भावना से प्रेरित होकर ईरान को कठिनाइयों से उबरने में मदद करने के मकसद से आवश्यक सहायता प्रदान करने को तैयार है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक मार्च को जारी बयान के अनुसार, दक्षिणी ईरान के मीनाब में मिसाइलों के हमले में लड़कियों का एक प्राथमिक विद्यालय नष्ट हो गया, जिसमें लगभग 150 लोग मारे गए और लगभग 100 घायल हो गए।

इराक में अमेरिकी सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, बचाव कार्य जारी

वॉशिंगटन (भाषा)। ईरान के खिलाफ अभियान में शामिल ईंधन भरने वाला अमेरिका का एक सैन्य विमान इराक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और बचाव प्रयास जारी हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि इस हादसे में कोई हताहत हुआ है या नहीं। अमेरिका के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हुए केसी-135 विमान में चालक दल के कम से कम पांच सदस्य सवार थे। सेना ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना शत्रु की गोलीबारी या अपने किसी पक्ष की गोलीबारी के कारण नहीं हुई। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस घटना में दो विमान शामिल थे और इनमें से एक विमान सुरक्षित उतर गया, जबकि दूसरा पश्चिमी इराक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिका के एक अन्य अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि इस घटना में शामिल दूसरा विमान भी केसी-135 टैंकर था। सेंट्रल कमांड ने कहा, स्थिति स्पष्ट होने पर अधिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। हम विमान में सवार सैन्य सदस्यों के परिवारों से धैर्य बनाए रखने का अनुरोध करते हैं। यह ऐसी चौथी विमान दुर्घटना है जिसे ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। पिछले सप्ताह अमेरिका के तीन लड़ाकू विमान उसके मित्र कुवैत ने भूलवश गिरा दिए थे।

विमान में सवार चालक दल के सभी छह सदस्यों की मौत : अमेरिकी सेना

दुबई, (भाषा)। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को कहा कि इराक में दुर्घटनाग्रस्त हुए ईंधन भरने वाले विमान में सवार सभी छह वायुसैनिकों की मौत हो गई है। सेना ने कहा कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

मोजतबा खामेनेई को बख्शा नहीं जाएगा : नेतन्याहू

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल का संयुक्त अभियान उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और इजराइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नव निर्वाचित सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस सवाल के जवाब में कि क्या इजराइल खामेनेई और हिजबुल्ला नेता नईम कासिम को निशाना बनाएगा।

इस पर नेतन्याहू ने कहा, मैं किसी भी

आतंकी संगठन के नेता को नहीं बख्शूंगा। मोजतबा के पिता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में मारे गए थे। इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ रोरिंग लायन नामक अपना अभियान शुरू किया जिसमें अमेरिका भी शामिल हो गया और उसने इसे एपिक फ्यूरी नाम दिया। ऐसा दावा किया गया कि इन हमलों का उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को विफल करना, उसके मिसाइल कार्यक्रम को नष्ट करना और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों को करारा झटका देना है। ईरान में सत्ता को उखाड़ फेंकने के विषय पर इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान के लोगों के लिए ऐसी परिस्थितियां बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मिशिगन में यहूदी प्रार्थनास्थल पर हमला करने का आरोपी लेबनान से था: गृह मंत्रालय

» डेट्रॉइट, भाषा।

अमेरिका में यहूदियों के प्रार्थनास्थल पर वाहन से टक्कर मारने वाले हथियारबंद व्यक्ति की पहचान लेबनान में जन्मे 41 आयमन मोहम्मद गजाली के रूप में हुई है, जिसे सुरक्षाकर्मियों ने मार गिराया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि डेट्रॉइट, मिशिगन के पास वेस्ट ब्लूमफील्ड टाउनशिप में स्थित टेंपल इजराइल में टक्कर मारने वाले हमलावर को सुरक्षाकर्मियों ने मार गिराया। टक्कर के बाद हमलावर के वाहन में आग लग गई थी। यूहदियों का यह प्रार्थना स्थल अमेरिका में सबसे बड़े प्रार्थनास्थल में से एक है। गृह मंत्रालय के अनुसार 2011 में एक अमेरिकी नागरिक से विवाह के बाद गजाली प्रवासी वीजा पर अमेरिका आया था और उसे 2016 में अमेरिकी नागरिकता प्रदान की गई थी।

एफबीआई के डेट्रॉइट फील्ड ऑफिस की प्रभारी विशेष एजेंट जेनिफर रनयान ने इस घटना को बेहद परेशान करने वाला और दुखद बताया और कहा कि संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) इस मामले की जांच का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एजेंसी इस अपराध को यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर की गई लक्षित हिंसा मानती है। जांच अधिकारी उसके मकसद का पता लगा रहे हैं। ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइक बुचर्ड ने कहा, आरोपी ने किस बात से प्रेरित होकर ये कार्रवाई की, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। बुचर्ड ने कहा कि इस घटना में प्रार्थनास्थल का कोई कर्मी, शिक्षक या बच्चा घायल नहीं हुआ, वहां 140 बच्चे पढ़ते हैं। बुचर्ड ने कहा कि संदिग्ध अपने वाहन के अंदर मृत पाया गया।

श्रीलंका ने 45 ईरानी नाविकों के शव दूतावास को सौंपे

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका ने इस द्वीप देश के तट पर एक ईरानी युद्धपोत पर हुए हमले में मारे गए 45 नाविकों के शव शुक्रवार को ईरान के दूतावास को सौंप दिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य मजिस्ट्रेट समीरा डोडंगोडा ने गाले बंदरगाह पुलिस के अनुरोध के बाद 11 मार्च को करापितिया स्थित राष्ट्रीय अस्पताल के निदेशक को यह आदेश दिया। पिछले बुधवार को श्रीलंका ने कहा था कि उसने अमेरिकी पनडुब्बी हमले में द्वीप के दक्षिणी तट पर गाले के पास डूबे ईरानी पोत आईआरआईएस देना से 84 शव बरामद किए हैं। यह पोत भारत के विशाखापत्तनम से ईरान लौट रहा था, जहां उसने नौसेना बेड़े की समीक्षा अभ्यास में भाग लिया था।

रक्षा मंत्रालय के सचिव संपथ तियाकोंथा ने पत्रकारों को बताया कि 45 शवों को शुक्रवार को मट्टाला स्थित दक्षिणी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ईरान वापस भेजा जाएगा। पिछले बृहस्तिवार को अमेरिकी हमले में बचे 32 लोगों तथा शवों को अस्पताल लाया गया था। श्रीलंका सरकार ने पहले कहा था कि वह शवों को तब तक अपने पास रखेगा जब तक स्थिति में सुधार नहीं हो जाता ताकि उन्हें वापस स्वदेश भेजा जा सके। अस्पताल के मुर्दाघर की क्षमता अपर्याप्त होने के कारण शवों को अस्थाई रूप से रेफ्रिजरेटर में रखा जा रहा था। वहीं 32 जीवित बचे नाविकों को रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्हें पास के कोग्गला में श्रीलंकाई एयरबेस भेज दिया गया।

पाकिस्तान ने हवाई हमलों में आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया, चार लोगों की मौत : अफगानिस्तान

» काबुल, भाषा।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार सुबह पाकिस्तान की सेना पर काबुल और दक्षिणी प्रांत कंधार में रात भर जारी रहे हवाई हमलों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तालिबान सरकार ने कहा कि हमले में कम से कम चार आम नागरिक मारे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है। सरकारी प्रवक्ता जबिहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि पाकिस्तान के विमान ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन काम एयर से संबंधित ईंधन डिपो (ईंधन भंडार केंद्र) पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, यह कंपनी नागरिक विमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमान को ईंधन की आपूर्ति करती है।

पाकिस्तान की सेना या सरकार की ओर से

तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। फरवरी के आखिर से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अफगानिस्तान ने कहा था कि उसने सीमा पर पाकिस्तानी हमलों के जवाब में पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे। पाकिस्तान की सेना का कहना है कि उसके अभियानों में सीमा पर मौजूद पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) और उनके समर्थक नेटवर्क को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तानी तालिबान और उनके समर्थक नेटवर्क को अफगानिस्तान ने कभी औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। दोनों पक्षों ने भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है जो वर्षों में उनकी सबसे घातक लड़ाई बन गई है और पाकिस्तान इसे अफगानिस्तान के साथ खुला युद्ध बता रहा है। एक्स पर अपने पोस्ट में मुजाहिद ने दावा किया कि पाकिस्तानी हमलों में अफगानिस्तान के पक्तिया और पक्तिका प्रांतों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कई नागरिक स्थलों और निर्जन स्थानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि काबुल में बच्चों समेत कम से कम चार नागरिक मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। पूरे अफगानिस्तान में हताहतों की कुल संख्या स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तान द्वारा किए गए ये ताजा हमले चीन के विशेष दूत यू शियाओयोंग के काबुल की यात्रा के बाद इस्लामाबाद पहुंचने और अपने पाकिस्तानी समकक्ष मोहम्मद सादिक से मुलाकात के एक दिन बाद हुए हैं। काबुल की यात्रा के दौरान यू शियाओयोंग अफगान सरकार के अधिकारियों से मिले थे।

सेफसी विष्णु पर हमला सुनियोजित था: कंपनी प्रमुख

न्यूयॉर्क, (भाषा)। अमेरिका के स्वामित्व वाले कच्चे तेल के टैंकर सेफसी विष्णु पर हुए हमले के बाद कंपनी सेफसी ग्रुप के अध्यक्ष एसवी अंचन ने कहा कि यह हमला सोच समझकर किया गया प्रतीत होता है। इस हमले में भारतीय चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई थी। अंचन ने कहा कि यह हमला सरकारों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए कि वाणिज्यिक समुद्री मार्ग युद्ध के मैदान नहीं बन सकते और नाविकों की जान को कभी भी अनजाने में हुई क्षति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। अंचन ने बृहस्पतिवार को दिए एक बयान में कहा, एमटी सेफसी विष्णु पर हुआ विनाशकारी हमला इस बात की स्पष्ट याद दिलाता है कि दुनिया भर के वाणिज्यिक नाविक भू-राजनीतिक संघर्ष के खतरों के प्रति तेजी से असुरक्षित होते जा रहे हैं। मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाले जहाज सेफसी विष्णु पर 11 मार्च को इराक के बसरा के पास खोर अल जुबैर बंदरगाह के तट पर एक ईरानी आत्मघाती नौका ने हमला किया। इस हमले में जहाज के एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मृत्यु हो गई, जो जहाज के शीर्ष नाविकों में से एक थे। बयान में कहा गया है, शेष हुए चालक दल के सदस्यों से बात करने के बाद हमारे शुरुआती आकलन से पता चलता है कि हमला जानबूझकर और सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था। विस्फोटकों से भरी दो मानवरहित नौकाओं ने जहाजों के बाई ओर टक्कर मारी। यह ईरानी शासन की चरमपंथी मानसिकता को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में काफी वृद्धि

समीक्षा : तेल, पेट्रोल, गैसोलीन : ईंधन में कैसे परिवर्तित होता है कच्चा तेल

» सिडनी, भाषा।

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ बढ़ता सैन्य संघर्ष कच्चे तेल के वैश्विक बाजार को प्रभावित कर रहा है। फारस की खाड़ी में स्थित हॉर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद होने और पश्चिम एशिया के तेल उत्पादन केंद्रों पर हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है। दुनिया के कुल तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 20 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है। इस मार्ग में बाधा आने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में करीब 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वैश्विक मानक कच्चा तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमत अब 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का असर सीधे पेट्रोल और गैसोलीन जैसे उत्पादों पर पड़ता है, जिससे आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की लागत बढ़ जाती है।

यह प्रक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे पास्ता सॉस को धीमी आंच पर पकाना। अधिकांश उपभोक्ता तब चकित हो जाते हैं जब तेल की कीमत प्रति बैरल 100 अमेरिकी डॉलर से ऊपर चली जाती है। लेकिन आर्थिक हकीकत इससे काफी जटिल और दीर्घकालिक होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बैरल के भीतर मौजूद कच्चा तेल सीधे उपयोग में नहीं लाया जा सकता। असल में इसे रासायनिक क्रियाओं के जरिए विभाजित (फ्रैक्शन)किया जाता है, ताकि उन रसायनों को अलग किया जा सके, जिनसे 6,000 से अधिक रोज़मर्रा की वस्तुएं बनाई जाती हैं। इन घरेलू वस्तुओं में शामिल हैं पहने जाने वाले वस्त्र और कपड़ों के रंग, हमारे हाथों में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और हमारे शरीर को नियंत्रित करने वाली दवाएं। इनमें से कुछ उत्पादों को गैर पेट्रोलियम विकल्पों से बदला जा सकता है। लेकिन ऐसा करने पर उपभोक्ता कीमतें कई गुना बढ़ सकती हैं। कच्चे तेल को इन उत्पादों में बदलने की प्रक्रिया रसायन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में संचालित की जाती है, जिसमें उच्च तापमान वाले पात्र (जिन्हें कॉलम कहा जाता है) द्रवों को अलग-अलग घनत्व वाले उत्पादों

में विभाजित (फ्रैक्शन किया) करने की अनुमति देते हैं। यह अनुभव ठीक वैसा ही है जैसे पास्ता सॉस को धीमी आंच पर पकाना, जहां रसोइया सही तापमान का उपयोग करके पानी (कम घनत्व वाला पदार्थ) उबालकर भाप में उड़ाता है और उस रसायन को सघन करता है जो टमाटरों का स्वाद बढ़ाता है। सादे टमाटर में मौजूद सैकड़ों रसायनों के विपरीत, एक बैरल तेल में मौजूद हजारों-हजार अलग-अलग रसायन के कारण, इनको अलग करने के लिए पांच से दस फ्रैक्शन कॉलम को क्रमिक रूप से लगाया जाता है, जहां प्रत्एक कॉलम पिछले की तुलना में अधिक सटीक उत्पाद तैयार करता है। सबसे हल्का उत्पाद प्राकृतिक गैस होता है, जिसका इस्तेमाल घरेलू और औद्योगिक ईंधन के रूप में किया जाता है। इसके बाद गैसोलीन (पेट्रोल) निकलता है, जो एक बैरल तेल के लगभग आधे हिस्से के बराबर होता है। अधिक तापमान पर केरोसिन (जेट ईंधन) और उससे भी अधिक तापमान पर डीजल अलग किया जाता है, जो एक बैरल तेल का लगभग एक चौथाई हिस्सा होता है। सबसे भारी हिस्सों को अलग करने के लिए अत्यधिक तापमान की आवश्यकता होती है। इनसे सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर, रबर, सिंथेटिक कपड़े, प्लास्टिक और कॉस्मेटिक उत्पादों के लिए रसायन बनाए जाते हैं। कच्चे तेल की संरचना हर जगह एक जैसी नहीं होती। लाखों वर्षों में धरती के भीतर दबाव और तापमान के कारण मृत पौधों और जीवों के अवशेषों से तेल बनता है। क्योंकि हर क्षेत्र की भौगोलिक और जैविक परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं, इसलिए वहां बनने वाले कच्चे तेल की रासायनिक संरचना भी अलग-अलग होती है।

मध्य तुर्किए में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया

अंकारा। मध्य तुर्किए में मध्यम तीव्रता का भूकंप आया। तुर्किए की आपातकालीन सेवा ने यह जानकारी दी। भूकंप के झटकों के बाद कुछ निवासी अपने-अपने घरों से निकल कर सड़कों पर आ गए। हालांकि भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी-एएफएडी के अनुसार, 5.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र तोकात प्रांत के निकसर शहर में 6.4 किलोमीटर की गहराई में था। एएफएडी ने बताया कि भूकंप के झटके बृहस्पतिवार देर रात तीन बजकर 35 मिनट पर आए और कई प्रांतों में महसूस किए गए। हालांकि कोई प्रतिकूल घटनाक्रम सामने नहीं आया। तुर्किए भूकंप संभावित क्षेत्रों में आता है और यह प्रमुख फॉल्ट लाइन के शीर्ष पर स्थित है, जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। वर्ष 2023 में तुर्किए में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप में 53,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी तथा दक्षिणी एवं दक्षिणपूर्वी प्रांतों में लाखों इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com